राजस्थान का तेजी से लोकप्रिय होता अखबार | जयपुर, सोमवार,13 अप्रैल, 2026 | राज्य सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

सुविचार
किसी का अपमान करने से पहले एक बार अवश्य सोचना चाहिए, उसके स्थान पर यदि आप होते तो कैसा लगता।

हमारा समाचार

@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
9461162346

दैनिक | वर्ष - 12 अंकः 314 | प्रातः कालीन | मूल्यः 3.00 रुपए | पृष्ठः 8 | hamarasamachar02@gmail.com

लालचंदपुरा स्थित रामेश्वरम स्कूल में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह, शिक्षा के साथ संस्कार का संदेश, रामेश्वरम करियर इंस्टिट्यूट की आर-सेट परीक्षा 2026 के विजेता सम्मानित

advt

'रामेश्वरम' बना राजधानी का 'एजुकेशन लीडर'.. रिजल्ट, रिवॉर्ड और करियर का परफेक्ट कॉम्बो!

5वीं और 8वीं बोर्ड में 157 विद्यार्थियों ने हासिल किया ए ग्रेड, शुरुआती स्तर पर मजबूत नींव का संकेत, निदेशक जितेंद्र शर्मा का संदेश-लालचंदपुरा से तैयार हो रहे हैं आत्मविश्वासी और लक्ष्य केंद्रित विद्यार्थी

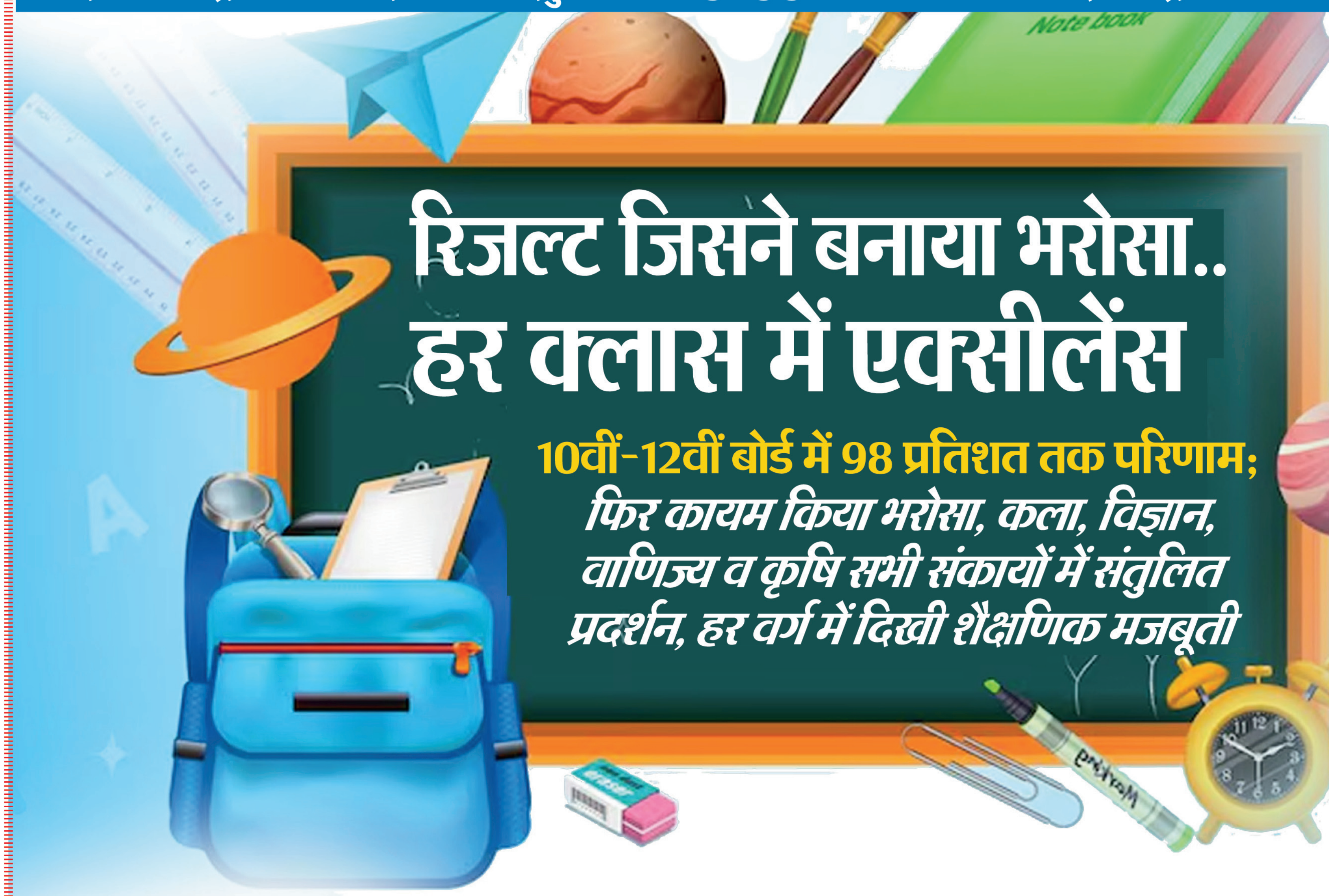

हमारा समाचार

जयपुर। राजधानी के लालचंदपुरा स्थित रामेश्वरम पब्लिक सी.सै. स्कूल ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब शिक्षा, संस्कार और समर्पण एक साथ मिलते हैं तो परिणाम सिर्फ अंक नहीं बल्कि उत्कृष्टता की मिसाल बनते हैं। शनिवार, 11 अप्रैल 2026 को विद्यालय परिसर में आयोजित भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस शैक्षणिक संस्कृति का उत्सव था, जिसमें मेहनत को पहचान मिलती है और प्रतिभाओं को मंच। स्कूटी, लैपटॉप, टैबलेट और साइकिल जैसे आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित हुए विद्यार्थियों की चमकती मुस्कानें और बोर्ड परीक्षाओं में शानदार परिणाम इस बात के प्रमाण बने कि रामेश्वरम सिर्फ शिक्षा नहीं देता, बल्कि सफलता की दिशा तय करता है। यही कारण है कि आज यह विद्यालय जयपुर में उभरते हुए 'रिजल्ट-ओरिएंटेड और करियर-फोकस्ड एजुकेशन हब' के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुका है।

शनिवार सुबह श्री ग्वाल्या बाबा हनुमान मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ यह आयोजन एक प्रेरणादायक यात्रा की तरह आगे बढ़ा। भव्य वाहन रैली से लेकर मंच पर मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान तक हर पल ने यह संदेश दिया कि यह संस्थान सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा और भविष्य को गढने का सशक्त केंद्र है। श्री ग्वाल्या बाबा हनुमान मंदिर, मंसारामपुरा से पूजा-अर्चना के बाद भव्य वाहन रैली निकाली गई। रैली मंसारामपुरा, निवारू, लालचंदपुरा सहित आसपास की कॉलोनियों से होते हुए विद्यालय प्रांगण पहुंची। विद्यालय पहुंचने पर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ प्रतिभा सम्मान समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसीपी झोटवाड़ा आलोक सैनी, करणी यूनिवर्स कॉलेज से विजय सिंह राठौड़, बियानी कॉलेज के निदेशक संजय बियानी, उपनिदेशक संस्कृत विभाग डॉ. सीपी शर्मा, सहसंयोजक संस्कृत विभाग महेश शर्मा, उपनिदेशक चिकित्सा विभाग महेश शर्मा, राष्ट्रीय खिलाड़ी हीरालाल टोड़ावता सहित अनेक गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे। विद्यालय चेयरमेन नवल किशोर शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

सम्मानित हुए रामेश्वरम करियर इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित आर-सेट परीक्षा 2026 के विजेता

समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण रहा रामेश्वरम करियर इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित आर-सेट परीक्षा 2026 के विजेताओं का सम्मान। इसमें छात्र देवांश योगेश्वर पुत्र दीपक योगेश्वर रोजदा गांव निवासी को स्कूटी भेंट की गई। इसी बीच महक कंवर पुत्री महेंद्र सिंह को लैपटॉप तथा वासु जांगिड़ पुत्र विकास जांगिड़ को टैबलेट और दिविशा खटनावलिया पुत्री ओम प्रकाश खटनावलिया को साइकिल भेंट की गई। इनके अलावा अन्य विजेताओं को स्मार्ट घडि़यां, बैग, टी-शर्ट आदि प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि एसीपी आलोक सैनी ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना जगाते हैं।

5वीं-8वीं में भी कमाल, 157 बच्चों ने हासिल किया ए ग्रेड

बोर्ड की छोटी कक्षाओं में भी रामेश्वरम के बच्चों ने झंडे गाड़ दिए। 8वीं बोर्ड में 95 छात्र-छात्राओं ने ए ग्रेड प्राप्त किया। इनमें आर्णा खांडल, आरती शर्मा, आयुष राय, प्रियांशी शर्मा, नव्या कुमावत, गुंशिका यादव, अधिराज सिंह, आदिति भाट, आदित्य शेखावत, आदित्य सिंह आदि प्रमुख रहे। वहीं 5वीं बोर्ड में 62 छात्र-छात्राओं ने ए ग्रेड लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इनमें आराध्या यादव, अनुष्का यादव, अपेक्षा सैनी, आर्यन कविया, भानु कुमार आदि शामिल हैं। इन परिणामों ने जयपुर जिले में विद्यालय की साख और मजबूत की है।

रितु यादव बनीं रामेश्वरम की 12वीं टॉपर, 10वीं में अर्पित साहू ने भी हासल किए 98 फीसदी

12वीं बोर्ड के मेधावी छात्र कला, विज्ञान, वाणिज्य और कृषि संकाय में उच्च अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें रितु यादव ने 98 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय टॉप किया। खुशी शर्मा, पलक राठौड़, कोमल पांडे, नव्या कंवर धीरावत और कोमल चौधरी ने 97 फीसदी अंक प्राप्त किए। सपना कुमावत, सुनिधि शर्मा, तेजस्विनी कंवर, मुस्कान तंवर ने 96 प्रतिशत तथा ईशिका कुमावत, मीनाक्षी शर्मा, अन्नु सैनी, निशा प्रजापत, लक्ष्य प्रताप ने 95 प्रतिशत अंक हासिल किए। साथ ही दसवीं बोर्ड में अर्पित साहू ने 98 प्रतिशत के साथ बाजी मारी। यश खांडल, विपिन, अभिनव शर्मा और वंशिका कुमावत ने 97 फीसदी अंक प्राप्त किए। अंजलि शेखावत ने 96 प्रतिशत तथा पंकज शर्मा और दिविशा खटनावलिया ने 95 प्रतिशत अंक हासिल किए।

जयपुर के इस कैंपस में स्कूलिंग के साथ करियर की तैयारी, डॉक्टर-इंजीनियर बनने की दिशा में मार्गदर्शन, परिणाम के पीछे गुरुजनों की अहम भूमिका

संस्कार, समर्पण और सतत प्रयास ही सफलता की असली कुंजी: निदेशक जितेंद्र शर्मा

विद्यालय के निदेशक जितेंद्र शर्मा ने इस अवसर पर विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता किसी एक दिन का परिणाम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के समर्पण का सामूहिक प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल अच्छे अंक प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल परीक्षाओं में बेहतर परिणाम दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में सक्षम बनाना है। इसी सोच के साथ विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, व्यक्तित्व विकास और करियर मार्गदर्शन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। निदेशक जितेंद्र शर्मा ने बताया कि विद्यालय परिसर में ही संचालित करियर इंस्टिट्यूट के माध्यम से विद्यार्थियों को डॉक्टर और इंजीनियर जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जा रही है, ताकि वे स्कूल स्तर से ही अपने लक्ष्य की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि संस्था आगे भी विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन, अनुभवी मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराते हुए उन्हें सफलता के नए आयाम छूने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

रामेश्वरम स्कूल का शानदार प्रदर्शन, परिणाम जिसने कायम किया भरोसा: रामेश्वरम पब्लिक सीसै स्कूल ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम दर्ज करते हुए अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता को फिर साबित किया है। 10वीं और 12वीं दोनों बोर्ड में विद्यालय के विद्यार्थियों ने 98 प्रतिशत तक अंक प्राप्त कर शीर्ष स्तर का प्रदर्शन किया, जबकि बड़ी संख्या में छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। विद्यालय की विशेषता केवल टॉप स्कोर तक सीमित नहीं रही, बल्कि सभी संकायों—कला, विज्ञान, वाणिज्य और कृषि—में संतुलित और उच्च स्तर के परिणाम देखने को मिले। यह दर्शाता है कि संस्थान का फोकस केवल चुनिंदा विद्यार्थियों पर नहीं, बल्कि हर छात्र के समग्र विकास पर है। छोटी कक्षाओं में भी इसी उत्कृष्टता की झलक देखने को मिली, जहां 5वीं और 8वीं बोर्ड में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने ए ग्रेड प्राप्त कर मजबूत अकादमिक नींव का प्रमाण दिया। यह निरंतरता बताती है कि विद्यालय में प्रारंभिक स्तर से ही कॉन्सेप्ट बेस्ड लर्निंग और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

शिक्षा से करियर तक 'वन-स्टॉप सॉल्यूशन' साबित हो रहा रामेश्वरम स्कूल: रामेश्वरम पब्लिक सी.सै. स्कूल आज सिर्फ एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन चुका है जहां विद्यार्थियों को स्कूलिंग से लेकर करियर तक संपूर्ण मार्गदर्शन एक ही छत के नीचे मिलता है। यही इसकी सबसे बड़ी पहचान और विशिष्टता है। विद्यालय में कॉन्सेप्ट बेस्ड लर्निंग पर विशेष जोर दिया जाता है, जिससे विद्यार्थी केवल रटने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि विषय को गहराई से समझते हैं। इसी का परिणाम है कि हर वर्ष यहां बोर्ड परीक्षाओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिलता है। संस्थान की एक बड़ी खासियत यह भी है कि परिसर में ही संचालित करियर इंस्टिट्यूट के माध्यम से विद्यार्थियों को डॉक्टर और इंजीनियर बनने की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। इससे छात्रों को प्रारंभिक स्तर से ही अपने लक्ष्य की दिशा में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलता है और वे समय रहते सही दिशा में मेहनत शुरू कर पाते हैं। विद्यालय में अनुभवी और समर्पित शिक्षकों की टीम, अनुशासित वातावरण, नियमित मूल्यांकन प्रणाली और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित गतिविधियां इसे अन्य संस्थानों से अलग बनाती हैं। यहां पढ़ाई के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक सोच को भी समान महत्व दिया जाता है। इन्हीं सभी विशेषताओं के चलते रामेश्वरम पब्लिक स्कूल आज जयपुर में 'रिजल्ट-ओरिएंटेड और करियर-फोकस्ड एजुकेशन' का एक मजबूत और भरोसेमंद नाम बनकर उभरा है।

गुरुजनों का भी हुआ सम्मान, 100/100 दिलाने वाले शिक्षक हुए गौरवान्वित

समारोह में सिर्फ विद्यार्थी ही नहीं, उनके मार्गदर्शक शिक्षक भी सम्मानित हुए। बोर्ड परीक्षा में अपने विषय में 100 में से 100 अंक दिलाने वाले सभी अध्यापकों को मंच पर बुलाकर विशेष सम्मान दिया गया। निदेशक जितेंद्र शर्मा ने कहा कि यह सफलता माता-पिता, अभिभावक गण और अध्यापकों के अथक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिसर में ही डॉक्टर-इंजीनियर की तैयारी के लिए रामेश्वरम करियर इंस्टिट्यूट संचालित है, जिसमें कई विद्यार्थी नियमित अध्ययन कर रहे हैं। कार्यक्रम में उपनिदेशक विजय शर्मा, प्रधानाचार्य पंकज मीणा, उपप्रधानाचार्य कैलाश कुमावत, सीमा राजपूत, अनीता शर्मा, मधु शर्मा, शेफाली जैन, गजराज सिंह, नरेश मीणा, कमलेश बंसीवाल, मुकेश कुमावत, गोविंद नारायण शर्मा, भूपेंद्र शेखावत, प्रभु दयाल शर्मा, दिनेश कुमार कुमावत सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

ललवाड़ी में दो पीपल विवाह संपन्न, श्रीमद् भागवत कथा की हुई पूर्णाहुति

हमारा समाचार

निवाई। ग्राम पंचायत ललवाड़ी में दो पीपल विवाह संपन्न हुए एवं श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति हुई। गांव ललवाड़ी में पंडित रामस्वरूप शर्मा के सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा आयोजन हुआ। जिसको लेकर विद्वान पंडितों के सानिध्य में मंत्रोचारण के साथ दो पीपल व शालिगराम जी का विवाह का विधिवत संपन्न करवाया गया। पीपल विवाह को लेकर ग्रामीणों द्वारा बैंड बाजे के साथ बड़े धूमधाम से निकासी व शोभायात्रा निकाली। जिसके बाद पतवारी पर पहुंचकर तोरण द्वार पर दोनों शालिग्राम जी ने तोरण मारकर पीपलों के साथ विवाह किया। एक पीपल का कन्यादान पंडित रामस्वरूप दाधीच ने लिया व दूसरी पीपल का कन्यादान देवेंद्र दाधीच ने लिया। व्यास चंदनमल शर्मा ने श्रीमद् भागवत की पूर्णाहुति व हवन करवाया। इसी प्रकार पं. रामस्वरूप शर्मा ने सपरिवार हवन कुण्ड में आहुतियां दी। पूर्णाहुति के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया जिसमें आस-पास के कई गावों के श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर धीरजसिंह सोलंकी, राधेश्याम दाधीच, मोनू दाधीच, सोनू दाधीच, रविंद्र दाधीच, यतेंद्र शर्मा, मानसिंह, ज्ञानसिंह, भोमसिह बहादुरसिंह, रायसिंह, रामजीवन माली, कमल सैनी, प्रभु सिंह, मोरपाल जाट, रमेश जैन, गिर्राजसिंह, लक्ष्मण सिंह, छुट्टनसिंह, भगवानसिंह, अमरसिंह, बनवारी सोनी व शिवराजसिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में टाइगर सफारी बनी आकर्षण का केंद्र

व्हाइट टाइगर भीम व गोल्डन टाइग्रेस स्कंधी सेलानियों से मुखातिब

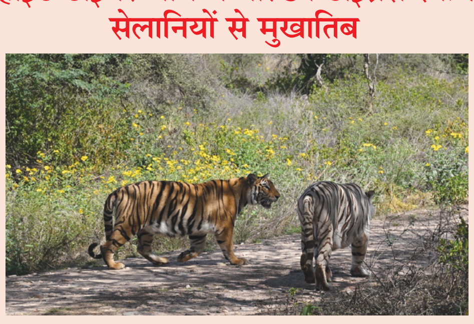

हमारा समाचार

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार को पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। बदलते मौसम के सुहावने मिजाज और छुट्टी के दिन के उत्साह ने पर्यटकों को प्रकृति की गोद में खींच लाया। कुल 1704 पर्यटकों ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों का नजदीक से अवलोकन किया। इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण बनी रहीं। 216-216 पर्यटकों ने दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया और शेर व व्हाइट बाघ भीम व उसकी गोल्डन बहिन बाघिन स्कंधी की चंचल अदाओं को देख उत्साहित हुए। बाघों की गर्जना और शेरों के शाही ठाठ ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।सफेद बाघ की राजस्थान की पहली सफारी बना नाहरगढ़ जैविक उद्यान नाहरगढ़ जैविक उद्यान में संचालित दो प्रमुख सफारियां - टाइगर सफारी और लायन सफारी - इन दिनों जयपुरवासियों और बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़ी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शहर के मध्य में प्राकृतिक हरियाली और वन्यजीवों का यह संगम, लोगों को पारिवारिक सैर और रोमांच का अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है।लोग सफेद टाइगर को सफारी में देखकर अभिभूत हुए । राजस्थान की एक मात्र सफेद बाघ की सफारी में पर्यटक आज सफेद बाघ उसकी गोल्डन बहिन स्कंधी की अठखेलियां देख रोमांचित नजर आए उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं और प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ रेंजर शुभम शर्मा ने रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन और भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था की गई। पर्यटकों को टिकटिंग, वाहन सुविधा, दिशा-निर्देश और सफाई व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गयाइसके साथ ही देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि सफेद बाघ भीम और गोल्डन बाघिन स्कंधी को टाइगर सफारी में शिफ्ट किया गया है आज से इन्हें टाइगर सफारी में पर्यटकों के दीदार हेतु छोड़ा गया है पूर्व में इनकी अठखेलियां जैविक उद्यान में ही देखने को मिलती थी अब यह सफारी एरिया को गुलजार करेंगे वन विभाग की सतत निगरानी और प्रबंधन के कारण नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के सर्वाधिक लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शुमार हो गया है। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि पर्यटकों के लिए शिक्षाप्रद और मनोरंजक अनुभव का केंद्र भी बन गया है।इस कार्य में प्रदीप सैनी,राजाराम मीणा ,विजेंद्र चैधरी, दलीप सिंह शेखावत, , कैलाश चन्द्र,सरिता चैधरी, बसंती गुर्जर,विमला मीना, हंसा कुमारी, उमेश वसिष्ठ, संतोष मौर्या, छोटी मीना ,रामलाल सैनी,बनवारी लाल शर्मा, गिरवर सिंह, सुरेश चंद मीना, भंवर सिंह आमला आदि ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

बैरवा समाज का 26 वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 मई को होगा

हमारा समाचार

टोंक । जिला बैरवा समाज का 26 वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर रविवार को बैरवा धर्मशाला में रतनलाल महाराज की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए गए। कार्यालय मंत्री रामकिशोर बैरवा गोपालपुरा ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 मई पीपल पूर्णिमा संवत 2083को पूर्व टेनरीज पक्का बंधा स्थित कृषि फार्म में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में वर की आयु 21 वर्ष एवं वधू की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए, प्रत्येक पक्ष को रुपए 15 हजार 500 रू. जमा कराने होंगे। सदस्यता अभियान एवं विवाह हेतु वर, वधु का रजिस्ट्रेशन चालू है। रजिस्ट्रेशन कि अंतिम तारीख 19 अप्रैल है, प्रचार-प्रसार एवं पंपलेट वितरण करने, विवाह योग्य जोड़ों का रजिस्ट्रेशन करने भामाशाह एवं दानदाताओं से सहयोग के लिए राशिद बुक वितरण करने, आयोजित सम्मेलन के सफल संचालन हेतु समितियां का गठन कर जिम्मेदारी दी गई । बैठक में महामंत्री जगदीश लाल बैरवा, कोषाध्यक्ष प्रहलाद पटवारी, अध्यक्ष बैरवा महासभा के प्रहलाद मेहंदवास, रामकरण, प्रभु लाल, रामकिशोर मोडियाला, प्रहलाद किशनपुरा, भंवर लाल बिठ्ठोला, रोशन लाल बैरवा पीपलू, मूलचंद बैरवा एडवोकेट, जैथलिया, रामचंद्र बैरवा, छीतर लाल बैरवा, हेमराज, बन्ना इंदोकिया, उमेद सिंह गोमे, रामप्रसाद आदि मौजूद थे।

जयपुर के व्यापारी को 4 महीने में 1.79 करोड़ का नुकसान; फर्जी अकाउंट बनाकर किए ऑर्डर

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर में ई-कॉमर्स फ्रॉड का बड़ा मामला सामने आया है। आरोपी फ्लिपकार्ट पर अलग-अलग फर्जी अकाउंट बनाकर इलेक्ट्रॉनिक के महंगे प्रोडक्ट (सामान) मंगवाते और फिर नकली सामान पैक कर रिटर्न (लौटा) कर देते थे। इससे जयपुर के व्यापारी को 4 महीनों में 1.79 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। व्यापारी के वेयरहाउस की ऑडिट रिपोर्ट से फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। व्यापारी की रिपोर्ट पर सेज थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है और फर्जी अकाउंट्स की लोकेशन, आईपी डिटेल्स, डिलीवरी एड्रेस और पैकेजिंग चेन की जांच में जुटी है। ओरिजिनल प्रोडक्ट मंगवाकर नकली रिटर्न किए पीड़ित व्यापारी चंद्र प्रकाश सिंह (53) निवासी तीजा नगर, पांच्यावाला सिरसी रोड (जयपुर) ने रिपोर्ट में बताया- उनका अजयराजपुरा-कलवाड़ा (सेज) में ऑथराइज्ड इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड नाम से इलेक्ट्रॉनिक सामान का वेयरहाउस है, जहां से फ्लिपकार्ट के जरिए मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट बेचे जाते हैं। अज्ञात आरोपियों ने नवंबर 2025 से फरवरी 2026 तक फ्लिपकार्ट पर 52 अलग-अलग फर्जी अकाउंट्स का इस्तेमाल कर महंगे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स मंगवाए और नकली सामान पैक कर रिटर्न कर दिया। इन आरोपियों ने सुनियोजित साजिश के तहत एपल, सैमसंग और लेनोवो के हाई-प्रिमियम प्रोडक्ट्स ऑर्डर किए। शातिर आरोपी ऑर्डर की डिलीवरी के बाद पैकिंग बॉक्स से ओरिजिनल सामान निकालकर नकली सामान पैक कर देते और सामान रिटर्न कर देते थे। इसके कारण 4 महीनों में करीब 1.79 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। ऑडिट रिपोर्ट से हुआ फर्जीवाड़े का खुलासा व्यापारी ने बताया- वेयरहाउस से फ्लिपकार्ट के माध्यम से जो प्रोडक्ट बेचे जाते हैं, उनकी लिस्टिंग की जाती है। वेयर हाउस की ऑडिट रिपोर्ट में सामने आया कि नवंबर 2025 से फरवरी 2026 तक बड़ी नकली सामान रिटर्न हुआ है। अपने आर्थिक सलाहकार की राय के बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई है। फर्जी अकाउंट्स बनाकर किए ऑर्डर थाना प्रभारी उदय सिंह शेखावत ने बताया- पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई है कि कुछ फर्जी अकाउंट्स से महंगे आइटम मंगवाए गए और नकली सामान पैक कर रिटर्न कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और तकनीकी टीम की मदद से फर्जी अकाउंट्स की लोकेशन, आईपी डिटेल्स, डिलीवरी एड्रेस और पैकेजिंग चेन की गहन जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया- यह फ्रॉड देश के किसी भी कोने से ऑपरेट किया जा सकता है। पुलिस इसे बड़े साइबर ई-कॉमर्स फ्रॉड गिरोह से जोड़कर देख रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अग्रवाल समाज ने के.के. गुप्ता का किया भव्य स्वागत

हमारा समाचार

रतनगढ़। अग्रवाल समाज के अग्रणी संगठन अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर, डूंगरपुर के पूर्व सभापति के.के. गुप्ता का आज संगम चौराहा स्थित पवन होटल में समाज बंधुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें माला, दुपट्टा व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए गुप्ता ने सभी स्वागतकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज का व्यापार और सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है। साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता को जन-जन का अभियान बनाने की अपील की।इस अवसर पर सम्मेलन के जिलाध्यक्ष कैलाश चौधरी, युवा जिलाध्यक्ष संजय मुरारका, नगर अध्यक्ष दीपक चौधरी, जसकरण चौधरी, विनोद कंदोई, अग्रवाल सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार मुरारका, पूर्व वाइस चेयरमैन रामगोपाल चौधरी, दिनेश सरावगी सहित

विश्व पार्किंसंस दिवस पर नारायणा हॉस्पिटल की पहल आधुनिक तकनीक से बेहतर होगा इलाज

हमारा समाचार

जयपुर। विश्व पार्किंसंस दिवस के अवसर पर नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा 'पार्किंसन अब नहीं रोकेगा आपके कदम' विषय पर जागरूकता प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। यह कार्यक्रम फोर पॉइंट्स बाय शेराटन, सिटी स्क्वायर में आयोजित हुआ, जिसमें वरिष्ठ चिकित्सकों और प्रबंधन ने भाग लेकर पार्किंसंस रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आधुनिक उपचार विकल्पों पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने बताया कि पार्किंसंस एक प्रगतिशील मस्तिष्क विकार है, जो व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करता है। हालांकि, समय पर पहचान और उचित उपचार से मरीज एक सक्रिय और संतुलित जीवन जी सकते हैं। अस्पताल में उन्नत डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (DBS) तकनीक उपलब्ध है, जो उन मरीजों के लिए प्रभावी है

जिन पर दवाइयों का असर सीमित हो जाता है। डॉ. वैभव माथुर ने बताया कि एडैप्टिव डीबीएस (A-DBS) तकनीक मरीज के मस्तिष्क संकेतों के अनुसार स्वतः समायोजित होकर अधिक सटीक उपचार प्रदान करती है। अस्पताल में पिछले दो वर्षों में 3000 से अधिक मरीजों का उपचार तथा 16 डीबीएस सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। फैसिलिटी डायरेक्टर बलविंदर सिंह वालिया और क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कुमार गोयल ने बताया कि शुरुआती पहचान से बीमारी की प्रगति को धीमा किया जा सकता है। कार्यक्रम में रोग से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों पर भी चर्चा की गई तथा लोगों को समय पर उपचार के लिए जागरूक किया गया।

जालौर में गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने की मुहिम तेज, 36 कौम की सहभागिता

हमारा समाचार

जालौर । राजस्थान की देवनगरी जालौर में गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने की मांग ने अब व्यापक जनआंदोलन का रूप लेना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में रविवार को शहर स्थित जालंधर नाथ धर्मशाला में 'गौ सम्मान आह्वान' को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों, गौसेवकों और धर्मप्रेमियों ने भाग लिया।

रणनीति पर हुई विस्तृत चर्चा

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 27 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित तहसील एवं जिला स्तरीय महाभियान की तैयारी करना रहा। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने अभियान की रूपरेखा, जनजागरण के तरीके और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। आयोजकों ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार तक जालौर की आवाज सशक्त रूप से पहुंचाई जाएगी।

36 कौम का मिला समर्थन

इस मुहिम की सबसे खास बात यह रही कि इसमें किसी एक समाज विशेष की नहीं, बल्कि सभी 36 कौमों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में विभिन्न समाजों के अध्यक्षों, प्रतिनिधियों और गौभक्तों को आमंत्रित किया गया था, जिनकी उपस्थिति ने इस अभियान को और मजबूती दी।

आस्था और संस्कृति का प्रतीक

बैठक में वक्ताओं ने गौमाता को भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि गौमाता केवल एक पशु नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और जीवन शैली का आधार हैं। वक्ताओं ने इसे प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य बताते हुए इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

27 अप्रैल को महाअभियान का आह्वान

अंत में आयोजकों ने जालौर जिले के सभी गौभक्तों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे 27 अप्रैल 2026 को आयोजित महाअभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक को लेकर शहर में खासा उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने इस आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की।

जालोर में 14 अप्रैल को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का दौरा

हमारा समाचार

जालोर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ 14 अप्रैल 2026, मंगलवार को एक दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर जालोर आएंगे। इस संबंध में भाजपा जिला प्रवक्ता दिनेश महावर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेशाध्यक्ष के दौरे को लेकर जिलेभर में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मदन राठौड़ सुबह करीब 9 बजे जालोर सीमा पर प्रवेश करेंगे, जहां उम्मेदाबाद मंडल की ओर से उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात केशवना चौराहे पर भाजपा नगर मंडल द्वारा स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगा। आगे भाजपा युवा मोर्चा की ओर से बाइक रैली के साथ शहर में उनका प्रवेश कराया जाएगा। दौरे के दौरान अस्पताल चौराहे पर ओबीसी मोर्चा, किसान मोर्चा एवं जालोर ग्रामीण मंडल द्वारा स्वागत किया जाएगा। इसके अलावा आहोर चौराहे पर युवा मोर्चा तथा विभिन्न स्थानों पर भाजपा के एससी और एसटी मोर्चा द्वारा भी अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल होटल विजय पैराडाइज के प्रवेश द्वार पर महिला मोर्चा द्वारा स्वागत की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके बाद होटल विजय पैराडाइज में सुबह 10:30 बजे भाजपा जिला संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ उपस्थित रहेंगे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित करेंगे। बैठक में मुख्य सचेतक एवं स्थानीय विधायक जोगेश्वर गर्ग, सांसद लुंबाराम चौधरी, जिला संगठन प्रभारी महेंद्र मेघवाल सहित जिले के सभी जनप्रतिनिधि, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, विधानसभा प्रत्याशी, जिला पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाग लेंगे। बैठक के उपरांत प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ कार्यक्रम स्थल पर ही पत्रकारों से वार्ता भी करेंगे। भाजपा संगठन के इस दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

राजस्थान उत्तराखंड सभा का सेवा महाकुंभ 131 यूनिट रक्तदान 12 प्रेरक रक्तदाता सम्मानित

हमारा समाचार

जयपुर। राजस्थान उत्तराखंड सभा, राजस्थान प्रदेश जयपुर जिला इकाई द्वारा वैशाली नगर स्थित श्री अग्रवाल सेवा सदन में विशाल रक्तदान शिविर, मेडिकल कैंप एवं रक्तदाता प्रेरक अवॉर्ड 2026 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। सभा प्रवक्ता आनन्द पांडे ने बताया कि शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुल 200 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 131 रक्तदाताओं ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। महिला चिकित्सालय ब्लड बैंक एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से रक्त संग्रहण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदान को महादान बताते हुए समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य बताया। प्रदेश अध्यक्ष बीएस रावत ने अतिथि का स्वागत कर मोमेंटो देकर सम्मानित किया। महासचिव एडवोकेट प्रहलाद सिंह अधिकारी ने बताया कि रक्तदाता प्रेरक अवॉर्ड 2026 के तहत 12 प्रेरककर्ताओं को सम्मानित किया गया। इनमें जयपुर से राजेश मीणा, डॉ. भूपराम शर्मा, सुशील मंत्री, प्रीति सक्सेना, हेमेंद्र सिंह रावत, रघुवीर सिंह बिष्ट, बजरंग बहड़ 'दाधीच ,रवि शर्मा, आनन्द सिंह बिष्ट, बुद्धि प्रसाद सती, उदयपुर से शैलेंद्र सिंह बिष्ट तथा हनुमानगढ़ से राहुल पांडे शामिल रहे। मेडिकल कैंप में इंडस जयपुर हॉस्पिटल, डेंटल सेवा हॉस्पिटल एवं काबरा आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने विभिन्न रोगों की जांच व परामर्श दिया। ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर सहित कई जांचें निशुल्क की गईं, जिससे सैकड़ों लोग लाभान्वित हुए। जिला अध्यक्ष सुनील जोशी ने बताया कि शिविर में युवाओं के साथ महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने सहयोग प्रदान किया तथा अंत में सभी रक्तदाताओं का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया।

मातृभाषा से सृजनशीलता और संस्कृति का विकास

हमारा समाचार

जयपुर। भारतीय सिन्धु सभा राजस्थान न्यास एवं महानगर के संयुक्त तत्वावधान में पाथेय भवन में सिंधी भाषा मान्यता दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता डॉ. रमेशचन्द अग्रवाल ने कहा कि मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा से सृजनशीलता और संस्कृति का विकास होता है। उन्होंने परिवार में संवाद, हस्ताक्षर एवं जनगणना में मातृभाषा सिंधी को अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वाधवाणी ने सिंधु घाटी सभ्यता और साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए भाषा संरक्षण की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार तीर्थाणी ने केन्द्रीय सिंधी विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग उठाई। प्रदेशाध्यक्ष ईश्वर मोरवाणी ने बताया कि प्रदेशभर में संगोष्ठियों के साथ सिंधी शिक्षा मित्रों का सम्मान किया गया। प्रदेश संरक्षक मोहनलाल वाधवाणी ने विद्यार्थियों के लिए छात्रावास निर्माण की योजना बताई, जबकि शोभा बसंताणी ने बाल संस्कार शिविरों में मातृशक्ति की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मूलचंद बंसतानी ने 5 से 8 जून तक लेह-लद्दाख में सिंधु दर्शन यात्रा की जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ झूलेलाल, संत कंवरराम व भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान 153 सिंधी शिक्षा मित्रों, 10 विद्यार्थियों एवं 35 शिक्षा सहयोगियों का सम्मान किया गया। संचालन नवलकिशोर गुरनाणी, किरण होतवाणी एवं अंजलि ज्ञानाणी ने किया तथा आभार हीरालाल तोलाणी ने व्यक्त किया।

मलमास समाप्त-शुभ कार्यो का शुभारंभ

हमारा समाचार

टोंक । भगवान सूर्य देव 14 अप्रैल मंगलवार को सुबह 09.30 बजे मेष राशि में जिसका स्वामी मंगल अश्विनी नक्षत्र जिसके स्वामी केतू है, में उच्च के होकर प्रवेश करेंगे, इससे मलमास समाप्त होकर शुभ मांगलिक कार्यो विवाह आदि का शुभारंभ हो जाएगा। मंगल देव, मीन राशि में, बुध देव मीन राशि मं, देव गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में, शुक्र देव मेष राशि में, शनि देव मीन राशि में विचरण कर रहे है, गुरु, बुध का राशि परिवर्तन एवं ग्रहों का सम्बन्ध बन रहा है, जिनके मांगलिक कार्यो विवाह आदि में बाधा आ रही है, उनके उच्च के सूर्य होने से रुके हुए कार्य इनके द्वारा सम्पन्न कराएं जाएंगे। मनु ज्योतिष एवं वास्तु शोध संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य बाबूलाल शास्त्री ने बताया कि जिन कन्याओं के जन्म राशि से 1, 3, 6, 10, 4, 8, 12वें भाव में स्थित बृहस्पति भी यदि वर्गोतम, स्व.राशि, मित्र राशि, मित्र नवाशं स्वनवाश सवोच्च या सर्वोच्चनवाश में हो तो वह विवाह में सुख सम्पदा पुत्र ओर प्रगति देने वाला होता है, जो विवाह में सुख, सम्पदा, पुत्र एवं प्रगति देने वाला है।

भगवान मुनिसुव्रतनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

हमारा समाचार

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज, मुनि उतकृष्टनन्दी महाराज व मुनि नाभिनन्दी महाराज के सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर सहित सभी जैन जिनालयों में जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव पर कई धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा व हितेश छाबड़ा ने बताया कि भगवान मुनिसुव्रतनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव पर प्रातकाल श्रद्धालुओं ने भगवान अभिषेक, पंचामृत अभिषेक, शान्तिधारा व पूजा-अर्चना की। इस दौरान भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान मुनिसुव्रतनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके बाद मंत्रोच्चार द्वारा संगीतमय भक्तामर पाठ का शुभारंभ किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किए। उन्होंने बताया कि संगीतमय भक्तामर पाठ अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने 48 काव्यों की प्रस्तुति देकर भगवान मुनिसुब्रतनाथ के समक्ष 48 दीपकों से महा अर्चना की। इस दौरान भगवान के जन्म एवं तप महोत्सव पर सभी श्रद्धालुओं ने भगवान मुनिसुव्रतनाथ की महाआरती उतारी। इस अवसर पर आचार्यश्री ने कहा कि तीर्थंकरों का जन्म कल्याण हमे अपने भीतर के परमात्मा को जगाने और मोक्ष मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान को केवल मंदिर में नहीं पूजे बल्कि अपने आचरण में भी उतारना चाहिए। भगवान पत्थर की मूर्ति में ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति क भीतर विराजमान है। भगवान को पाने के लिए प्रेम की ओर भाव की अभिव्यक्ति करनी पड़ती है तब जाकर संसार में सुखों की प्राप्ती होती है।

महिला सुरक्षा हेतु जयपुर पुलिस का कदम 5 पीसीआर वैन रवाना

हमारा समाचार

जयपुर। महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रविवार को पुलिस कमिश्नरेट जयपुर से पांच महिला पीसीआर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस पहल से शहर में महिलाओं को त्वरित सुरक्षा सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा मौजूद रहीं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात एवं प्रशासन) योगेश दाधीच ने बताया कि इन पीसीआर वैन का संचालन दो पारियों में किया जाएगा। पहली पारी सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक तथा दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से रात 11 बजे तक कार्यरत रहेगी।

उन्होंने बताया कि सभी वैन पुलिस नियंत्रण कक्ष के सुपरवीजन में संचालित होंगी और 1090 हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों पर तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेंगी।

राजीविका मिशन की समीक्षा बैठकः महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 10-स्टेप रिफॉर्म लागू करने के निर्देश

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने लखपति दीदियों से किया वर्चुअल संवाद, क्रेडिट, मार्केट और स्किल लिंकेज पर मजबूत रोडमैप बनाने पर दिया जोर

हमारा समाचार

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में रविवार को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी 41 जिलों से जिला परियोजना प्रबंधक एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 425 लखपति दीदियों ने सहभागिता की। मुख्य सचिव ने सिटिजन-सेंट्रिक अप्रोच के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। विभिन्न जिलों से जुड़ी लखपति एवं मिलियनेयर दीदियों—बीकानेर से मोनिका, जयपुर से शांति एवं शालिनी, धौलपुर से पार्वती, जैसलमेर से डिंपल, जालौर से ललिता, अलवर से कविता, टोंक से पिंकी, राजसमंद से सरिता, डूंगरपुर से गायत्री, भरतपुर से बृजेश, झालावाड़ से सुशीला एवं बाड़मेर से डिंपल ने अपने अनुभव साझा किए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव द्वारा राजीविका के कार्यों की समीक्षा करते हुए 10-स्टेप रिफॉर्म लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राजीविका मिशन के अंतर्गत 4.34 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 51.22 लाख परिवारों की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु क्रेडिट लिंकेज, मार्केट लिंकेज एवं स्किल लिंकेज पर आधारित एक सुदृढ़ रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सफलता की कहानियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही, महिलाओं के साथ प्रत्येक माह वेबिनार आयोजित कर सतत संवाद एवं मार्गदर्शन बनाए रखने के लिए भी कहा। मुख्य सचिव ने विभिन्न राज्यों के प्रमुख शहरों एवं महानगरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों हेतु एक समग्र कैलेंडर एवं शो प्लान तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि उत्पादों को बेहतर बाजार एवं प्रदर्शन के अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने उद्योग, एमएसएमई, बीआईपी, टेक्सटाइल एक्सपोर्ट से जुड़े विभागों, आरएसएलडीसी एवं आईटीआई जैसे संस्थानों के साथ समन्वय को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, जिससे महिलाओं को अधिक अवसर एवं आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराए जा सकें। साथ ही, महिलाओं द्वारा संचालित कुटीर उद्योगों को विकसित कर उन्हें एमएसएमई के रूप में स्थापित करने पर के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्य सचिव द्वारा राजस्थान महिला निधि से संबंधित बैंकिंग प्रक्रियाओं, ऋण अवधि एवं पुनर्भुगतान प्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर पुष्पा सत्यानी, आयुक्त, ईजीएस, नरेगा, राजीविका की राज्य मिशन निदेशक प्रियंका गोस्वामी, परियोजना निदेश प्रीति सिंह, समस्त राज्य परियोजना प्रबंधक, बैंकिंग प्रोफेशनल्स एवं यंग प्रोफेशनल्स उपस्थित रहे।

दरा घाटी में रोज़ाना लग रहा जाम, राहगीर और मरीज तक परेशान

प्रशासन करें माकूल व्यवस्था, ताकि आमजन नहीं हो परेशान : पंकज मेहता

हमारा समाचार

कोटा। कोटा के पास स्थित दरा घाटी में इन दिनों लगातार लग रहे ट्रैफिक जाम से आमजन परेशान हैं। यह घाटी, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और घुमावदार सड़कों के लिए जानी जाती है, अब जाम की समस्या से जूझ रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता पंकज मेहता ने कहा कि आए दिन लग रहे जाम से मरीज तक को परेशानी हो रही है और आए दिन एंबुलेंस फंस रही है जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, लोगों की जान जा सकती है। प्रशासन इस मामला मामले को गंभीरता से ले और यहां पर माकूल ट्रैफिक व्यवस्था की जाए। पुलिस का स्टाफ बढ़ाया जाए ताकि आराम से लोगों को निकाला जा सके, प्रशासन की लापरवाही के कारण ही आए दिन जाम लग रहा है। पंकज मेहता ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इस मामले में आग्रह किया है कि आमजन की समस्या का समाधान किया जाए और प्रशासन को निर्देशित किया जाए कि यह जाम नहीं लगने दे, भीषण गर्मी में लोग तीन से चार घंटे तक फंसे रहते हैं और परेशान होते हैं। वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। बसों में छोटे बच्चे महिलाएं और बुजुर्ग आदमी भी सफर कर रहे हैं ऐसे में यहां पर अतिरिक्त जवान तैनात कर जाम के हालातो में सुधार किया जाना चाहिए।

सर्राफा थोक विक्रेता व्यावसायिक संघ ने किया राजेश बिरला का सम्मान

हमारा समाचार

कोटा। सरार्फा थोक विक्रेता व्यावसायिक संघ में विजयी पेनल ने नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेश बिरला का न्यू सर्राफा मार्केट में सम्मान किया गया। सभी पदाधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार भेंट कर सहयोग के लिए आभार जताया। इस अवसर पर नवनियुक्त कार्यकारिणी के अध्यक्ष जय कुमार जैन के नेतृत्व में बिरला का माल्यार्पण कर, साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर बिरला को आगामी कार्ययोजना के बारे में बताया गया और व्यापारियों के हित में संगठन को सर्वोपरी रखते हुए कार्य करने के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर बिरला ने सभी को शुभकामनाएं दी और सामाजिक सरोकार के कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संगठन में सभी लोग मिलकर समन्वय के साथ कार्य करें और व्यापारियों की समस्याओं को उचित मंच पर रखे ताकी उसका समाधान किया जा सके। अध्यक्ष व कार्यकारिणी ने आश्वस्त किया कि कोटा शहर के विकास में भी श्री सरार्फा थोक विक्रेता व्यावसायिक संघ का योगदान रहेगा। समय-समय पर आमजन के उत्थान व शहर के विकास में योगदान दिया जाएगा। इस अवसर पर सचिव योगेंद्र सोनी योगी, उपाध्यक्ष रमेश सोनी, कोषाध्यक्ष संजय गोयल, सर्राफा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आनंद राठी, सर्राफा बोर्ड के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोयल विचित्र, स्वर्ण रजत मार्केट के अध्यक्ष कपिल सोनी, कैलाश अग्रवाल, सुशील लोहिया, योगेश सोनी मोनी, विश्वनाथ शर्मा, मनीष मूंदडा, पूर्व अध्यक्ष अरुण जैन रानू भाई, पूर्व मंत्री निर्मल जैन, धनश्याम टांकरा, प्रमोद टांकरा, ओम प्रकाश सोनी, प्यारे लाल सोनी, पंकज जोहरी, पुरूषोत्तम पुरोहित, राम भरोस गोयल, कपिल अग्रवाल, सुशील भोला, जुगल किशोर सोनी, सह सचिव नरेंद्र जैन दमदमा, महेश चंद अजमेरा, प्रदेशाध्यक्ष पूर्व राजस्थान प्रदेशिक माहेश्वरी सभा कोटा जिलाध्यक्ष सुरेश काबरा, कार्यकारिणी सदस्य, भानु जैन, विपुल गर्ग, प्रभात मित्तल, दीपक जैन मेवाडा, नरेन्द्र कुमार शर्मा, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने किया 'प्रवेशोत्सव' अभियान के पोस्टर का विमोचन

हमारा समाचार

कोटा। राजस्थान सरकार के महत्वाकांक्षी प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को शिक्षा विभाग कर्मचारीगण सहकारी सभा 696 आर कोटा-बारां द्वारा अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना और नामांकन बढ़ाने के साथ-साथ ड्रॉपआउट दर को न्यूनतम करना है। इसी कड़ी में रविवार को कोटा में आयोजित एक कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रवेशोत्सव अभियान के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने शिक्षा सहकारी, स्काउट-गाइड और शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों, अभिभावकों और

सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। शिक्षा सहकारी के अध्यक्ष स्काउट गाइड जिला प्रधान प्रकाश जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत कोटा जिले के विभिन्न ब्लॉकों में पीईईओ स्तर तक व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रवेशोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का एक जनआंदोलन है, जिसमें हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री के ओएसडी सतीश गुप्ता, ज्वाइंट डायरेक्टर श्रीमती आशा मंडावत, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल कृष्ण जोशी , जिला शिक्षा अधिकारी रामचरण मीणा, सीबीईओ गायत्री मीणा, स्नेहलता शर्मा, शिक्षा सहकारी के उपाध्यक्ष महेंद्र नागर, मंत्री जमनालाल गुर्जर, डायरेक्टर गायत्री मीणा, सी. दिनेश कुमार मीणा, सीओ स्काउट बृज सुंदर मीणा, जिला उप प्रधान विजय माहेश्वरी, डॉ. मुकेश मोहन दाधीच, यज्ञदत्त हाड़ा, एनसीसी अधिकारी देवेंद्र गौतम, मनराज गुर्जर, सूरज दारोकर, मदन मोहन सिंह, पुरुषोत्तम मालव, सारिका सक्सेना सहित बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष महेंद्र नागर एवं मंत्री जमनालाल गुर्जर ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा अभिभावकों को बच्चों के नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। डायरेक्टर श्रीमती गायत्री मीणा एवं दिनेश कुमार मीणा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों का स्वागत उत्सव के रूप में किया जाएगा, वहीं नामांकन बढ़ाने के लिए घर-घर संपर्क अभियान भी चलाया जाएगा। इसके साथ ही स्काउट-गाइड और एनसीसी कैडेट्स की मदद से रैलियां, जागरूकता कार्यक्रम और जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिससे समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बने।

पारंपरिक खेलों में महिलाओं ने दिखाया दमखम

'भूले-बिसरे खेल' प्रतियोगिता बनी उल्लास और उत्साह का उत्सव

हमारा समाचार

कोटा। अग्रवाल फ्रेंड्स क्लब द्वारा मोबाइल और आधुनिक जीवनशैली के दौर में पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने का सराहनीय प्रयास किया गया। सीबी गार्डन नयापुरा में आयोजित 'भूले-बिसरे खेल प्रतियोगिता' में महिलाओं ने पूरे जोश, आत्मविश्वास और खेल भावना के साथ भाग लेकर यह सिद्ध कर दिया कि हर उम्र में खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हो सकते हैं। संस्था की चेयरपर्सन लता गुप्ता ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य, मनोरंजन और आपसी सौहार्द से जोड़ना रहा। प्रतियोगिता में सतोलिया, गुल्ली-डंडा, क्रिकेट, कपल गेम, अंताक्षरी, खो खो, मकड़ी दौड़ जैसे बचपन की यादें ताज़ा कर देने वाले खेल शामिल किए गए। सभी खेलों के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। जिससे प्रतिस्पर्धा रोमांचक बन गई। संरक्षिका सुनीता गोयल, किरण अग्रवाल, किरण गोयल ने कहा कि खेल मैदान में महिलाओं की मुस्कान, तालियों की गूंज और उत्साहपूर्ण माहौल को जीवंत कर दिया। प्रतिभागियों ने न केवल खेलों का आनंद लिया बल्कि टीम भावना और एकता का भी सुंदर संदेश दिया। इस अवसर पर पूर्व चेयरपर्सन भावना अग्रवाल, रितु गुप्ता, लक्ष्मी गोयल, सीमा बंसल, डॉ निशु गोयल, मंजू मित्तल, रेखा अग्रवाल, दीपालिका मित्तल, रूबी बंसल, रेणु गुप्ता, हेमलता अग्रवाल, अंशुली जैन, कल्पना जैन, रचना अग्रवाल, गुंजन गुप्ता, नीलम राजगडीया, दीप माला जिंदल, मृदुल गुप्ता, शेफाली गुप्ता, अमिता जैन, निकिता गर्ग, शालू मित्तल, दीपिका गोयल, अंकिता जैन, सुचिता अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

महात्मा फूले जयंती पर बेटियों के छात्रावास का हुआ लोकार्पण

बेटियों के लिए छात्रावास निर्माण महात्मा फूले को सच्ची श्रद्धांजलि- बिरला

हमारा समाचार

कोटा। महात्मा ज्योतिबा फूले की 200वीं जयंती के अवसर पर कुन्हाड़ी में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चम्बल पार माली-सैनी विकास समिति द्वारा निर्मित बालिका छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि महात्मा फूले और सावित्रीबाई फूले ने उस दौर में बेटियों की शिक्षा की अलख जगाई, जब समाज में इसके प्रति जागरूकता नहीं थी। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि बालिका छात्रावास केवल एक भवन नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव

है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाली बेटियां आत्मनिर्भर बनेंगी और समाज में अपनी पहचान स्थापित करेंगी। इस अवसर पर माली-सैनी समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह समाज सदियों से परिश्रम, ईमानदारी और सादगी का प्रतीक रहा है। समाज ने सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज हम सबको यह संकल्प लेना चाहिए कि हम शिक्षा को बढ़ावा देंगे, बेटियों को आगे बढ़ाएंगे, और समाज से भेदभाव और अज्ञानता को दूर करेंगे।

बेटियों को मिल रहे उनके अधिकार

बिरला ने कहा कि चाहे शिक्षा हो, खेल हो, विज्ञान हो या प्रशासन बेटियां अपने परिश्रम और प्रतिभा से देश का गौरव बढ़ा रही हैं। आज वे केवल परिवार ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। राजनीतिक रूप से भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी सशक्त उपस्थिति बढ़ेगी। यह वही विचारधारा और सोच है, जिसकी नींव वर्षों पहले महात्मा ज्योतिबा फूले और माता सावित्रीबाई फूले ने रखी थी।

भरी गर्मी में गरीब परेशान लोगों पहनाई चप्पल, खिलाया खाना व दी आवश्यक सामग्री

हिंद राष्ट्र संस्था ने किया अन्नदान, जल सेवा और चप्पल वितरण

हमारा समाचार

कोटा। समाज सेवा की प्रेरणादायक पहल करते हुए हिंद राष्ट्र संस्था द्वारा जरूरतमंदों के लिए अन्नदान, जल सेवा एवं चप्पल वितरण की। इस सेवा कार्य ने मानवता, सहयोग और भाईचारे की भावना को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।अध्यक्ष अंकित पोरवाल के अनुसार कार्यक्रम के दौरान राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को ठंडा पानी पिलाकर भीषण गर्मी से राहत प्रदान की गई। साथ ही श्रद्धा एवं सेवा भाव से पूड़ी सब्जी का वितरण किया गया, जिससे अनेक लोगों को भोजन उपलब्ध हुआ। जिन लोगों के पास पांव में पहनने के लिए चप्पल नहीं थी, उन्हें चप्पल वितरित कर उनके जीवन में सुविधा एवं सम्मान का संचार किया गया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और एकजुटता की भावना को मजबूत करते हैं।

उनका कहना था कि सेवा ही सच्चा धर्म है और जरूरतमंद की सहायता करना ही मानवता की सबसे बड़ी पहचान है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष ललित मीणा , नीरज शर्मा, सचिव पंकज मीणा, सह सचिव रवि मालव, तथा कोषाध्यक्ष पवन नागर एवं आलोक कांत ने उपस्थित रहकर सहयोग किया । भोजन वितरण एवं सेवा कार्य में सदस्यों में मुख्य रूप से रूपेश सुमन, दीपक मेहरा, आदित्य सिंह, त्रिलोक गौतम, चिराग नागर, ऋषि नागर, मोहित आर्य, मोनू मीणा, अभिषेक मालव, दिव्यांश राव, मोहित सक्सेना, राहुल कहार, सोनू मीणा, नीरज शर्मा, जितेंद्र, कामेश जांगिड़, कुंजबिहारी सेन, मयंक, कुलदीप सेन, दीपक नागर, रक्षित शर्मा, पृथ्वी सिंह, ऋषभ, गिरिराज मालव, शैलेन्द्र, लोकेश गौर एवं मोहित मेघवाल शामिल रहे। उपस्थित सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखें जाएँगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके और समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा मिल सके।

जब तक बेटियां राजनीतिक निर्णयों की सूत्रधार नहीं बनेंगी

हमारा समाचार

टोंक । भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका सिंह गुर्जर ने नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत भाजपा कार्यालय पर प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि नारी सिर्फ विकास की लाभार्थी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सारथी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने देश की आधी आबादी को वो अधिकार दिलाया, जो दशकों से लंबित था। उन्होंने कहा कि लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण एवं इसमें एससी, एसटी महिलाओं को भी समान भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि जब तक बेटियां राजनीतिक निर्णयों की सूत्रधार नहीं बनेंगी, तब तक विकास की यह गाथा अधूरी रहेगी। महिलाएं ही वो धुरी हैं, जिनके नेतृत्व में एक समृद्ध, सशक्त एवं विकसित भारत का निर्माण होगा, जहां एक ओर 2014 से पहले महिलाओं को बोलने का मौका नहीं मिलता था तथा उन्हें सिर्फ सुनना पड़ता था, लेकिन 2014 के बाद महिलाएं खुलकर अपनी बात रखने लगी तथा महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शौचालय के निर्माण जैसे जरूरी फैसलों में हिस्सा लेने लगी हैं तथा यह बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों ने उनकी भागीदारी को भी नजरअंदाज किया। अब मोदी सरकार ने उन्हें सशक्त बनाया है, हर क्षेत्र में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की है तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए उन्हें बराबर का अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं सिर्फ घर तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि देश चलाने में भी अग्रणी भूमिका निभाएंगी। साथ ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम के साथ महिलाएं देश के विकास की दिशा और दशा तय करने में सशक्त भागीदारी निभाएंगी। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन सिर्फ एक कानून नही, बल्कि हर भारतीय महिला के आत्मसम्मान एवं नीति-निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी का प्रमाण है। जब संसद में महिलाओं की संख्या 74 से बढ़कर 273 होगी, तब देश के हर बड़े फैसले-चाहे वो अर्थव्यवस्था हो, सुरक्षा हो या विदेश नीति-उसमें हमारी माताओं एवं बहनों की राय सीधे तौर पर शामिल होगी। इस अधिनियम से पूरे देश की महिलाओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से महिलाओं को देश की संसद एवं राज्यों की विधानसभाओं में आरक्षण दिए जाने की मांग समय-समय पर की जाती रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने कभी आरक्षण दिलाने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को केवल वोट बैंक समझने वाली मानसिकता को ध्वस्त कर उन्हें नीति-निर्धारण एवं नेतृत्वकारी भूमिका में बैठाने का ऐतिहासिक काम करेगा। इस अवसर पर निवर्तमान जिला प्रमुख सरोज बंसल, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, जिला मंत्री नीलिमा आमेरा, शकुंतला वर्मा, बिना छामुनिया, अंजली गुप्ता, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाड़ोलिया, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी, राजेन्द्र सैनी उर्फ बबलू टैंकर, प्रवक्ता रामावतार धाभाई, रत्तीराम पहाडिया, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव, सोशल मीडिया प्रभारी गणेश सैनी, आई टी संयोजक लोकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा, शम्भू शर्मा, हेमंत सैनी, आरव सिसोदिया, बलवंत मराठा, सुभाष सैनी, संजय डोई, शिवदयाल गुर्जर, ममता शर्मा, नाजमा परवीन, हर्षिता जैन, उषा बैरवा, अनुराधा खंडेलवाल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा सद्गुणों का प्रशिक्षण, 121 स्वयंसेवकों का तिलक कर स्वागत

हमारा समाचार

जालौर। श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा आयोजित चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ निकटवर्ती कलापुरा स्थित शैतानसिंह के कृषि फार्म पर हुआ। शिविर प्रमुख महेंद्रसिंह कारोला ने 121 स्वयंसेवकों के ललाट पर तिलक कर एवं प्रार्थना के साथ शिविर की शुरुआत की। इस अवसर पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संघ के प्रशिक्षण में निर्धारित दिनचर्या के अनुसार अभ्यास करवाकर युवाओं में सद्गुणों और संस्कारों का विकास किया जाता है। राजपूत समाज के युवाओं को सामूहिक एवं संस्कारमयी जीवन प्रणाली में ढालने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि भौतिकता के इस युग में घटते मानवीय मूल्यों, क्षत्रियत्व के गुणों एवं ईश्वरीय भाव को पुनः स्थापित करना समय की आवश्यकता है। शिविर में रेवत, भागली, कलापुरा,

धवला, सियाणा, नारणावास, सरत, बिबलसर, आकोली, नून, सांगाणा, दहिवा, जीवाणा, सुराणा, जाखड़ी, रतनपुर, देवड़ा, वाड़का गोगा सहित जालौर क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए 121 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, युद्ध कौशल, दानशीलता जैसे गुणों के विकास के साथ ईश्वरीय भाव को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण में भूमिका

संभाग प्रमुख अर्जुनसिंह देलदरी ने बताया कि शिविर के संचालन में महेंद्रसिंह कारोला, गणपतसिंह भवरानी, नाहरसिंह जाखड़ी, सुमेरसिंह उथमन, ईश्वरसिंह चौरा, जब्बरसिंह लूणा, कल्याणसिंह तथा अरविंद दिग्विजयसिंह सहित कई वरिष्ठ स्वयंसेवक विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभारी के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

प्रबुद्ध जनों का स्नेहमिलन

सोमवार को स्थानीय राजपूत समाज के प्रबुद्धजन शिविर की दिनचर्या एवं गतिविधियों का अवलोकन करेंगे। इस दौरान वे विभिन्न सत्रों का निरीक्षण कर प्रशिक्षण पद्धति को निकट से समझेंगे। न्यूनतम संसाधनों में, प्रकृति के बीच आयोजित इस शिविर को देखने हेतु स्थानीय लोगों को भी आमंत्रित किया गया है।

राणा सांगा को किया नमन

रविवार को सायंकालीन प्रार्थना सत्र में राणा सांगा की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अर्जुनसिंह देलदरी ने उनके संगठनात्मक कौशल और विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध विभिन्न राजाओं को एकजुट करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। शिविर व्यवस्थापक माधोसिंह, जितेंद्रसिंह कलापुरा एवं नारायणसिंह रेवत सहित समाज के अन्य सदस्यों ने इस प्रशिक्षण को युवाओं के लिए उपयोगी एवं सार्थक बताया। उन्होंने समाज के प्रबुद्ध नागरिकों से शिविर की गतिविधियों को समझने और इसे निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। चार दिवसीय इस आवासीय प्रशिक्षण शिविर का समापन एवं विदाई समारोह मंगलवार को आयोजित होगा।

ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने से अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों के चलते युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद आजकल अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। यहां ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। पाक के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। उधर, जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

> **इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया।**

वस्तुतः इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया। चालीस दिनों के विध्वंसक युद्ध के तत्पश्चात केवल पंद्रह दिनों के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य युद्ध विराम समझौता अंजाम दिया गया। युद्ध विराम समझौते पर किए गए हस्ताक्षरों की स्याही अभी सूखी नहीं है कि युद्ध विराम समझौते के कगार पर जंग खड़ी है। समझौते के अगले दिन इजराइल द्वारा लेबनान की हिज़्बुल्ला तंजीम के ठिकानों पर जबरदस्त सैन्य आक्रमण अंजाम दिए। परिणामस्वरूप लेबनान की राजधानी बेरूत तथा लेबनान के अन्य कई नगरों में जबरदस्त तौर पर विध्वंसकारी नजारें देखने मे आए।

युद्ध विराम समझौता

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते के तहत लेबनान और इजराइल के मध्य युद्ध विराम कहीं शामिल नहीं था। अतः इजराइल द्वारा लेबनान पर अंजाम दिया गया आक्रमण वस्तुतः युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करार नहीं दिया जा सकता। इजराइल द्वारा लेबनान के विरुद्ध अंजाम दी गई सैन्य आक्रमण का ईरान द्वारा अत्यंत कड़ा विरोध किया गया और इसे युद्ध विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बयान पश्चात तकरीबन ऐसा ही बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते में लेबनान युद्ध विराम का कोई उल्लेख ही नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भूमिका का युद्ध विराम समझौते तक ले जाने में अमेरिका और ईरान ने उल्लेख किया। शरीफ ने फरमाया था कि लेबनान सहित सभी युद्ध स्थलों पर युद्ध विराम लागू करने के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य सहमति हो गई और युद्ध विराम तत्काल तौर पर लागू कर दिया जाएगा।

चीन और पाक की भूमिका

8 अप्रैल की सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान दुनिया के सामने आया कि ईरान और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक बातचीत में पाक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर शामिल रहे और साथ ही चीन की भी बड़ी भूमिका इस युद्ध विराम समझौता संपन्न कराने के विषय में प्रकाश में आई है। चीन द्वारा ईरान को युद्ध विराम करने के लिए राजी किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने एक्स पोस्ट पर साझा किया कि ईरान पर अमेरिकी हमले बंद कर दिए हैं और हमारी शक्तिशाली सेनाएं भी अपने सैन्य अभियान को तत्काल रोक देंगी। शहबाज शरीफ और डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम ऐलानों के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बयान जारी किया गया कि लेबनान को दो सप्ताह के युद्धविराम के तहत शामिल नहीं किया गया। ईरान द्वारा लेबनान पर अंजाम दिए गए इजराइली आक्रमण की कड़ी निंदा की गई। साथ ही पहले तो अमेरिका के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित कूटनीति वार्ता का बॉयकॉट करने की घोषणा की गई।

बिगड़ते दिख रहे हालात

बाद में सोच-विचार के पश्चात ईरान हुकूमत ने अपना प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद भेजने का फैसला लिया। अमेरिकन सरकार के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद वार्ता में पेंटागन के सुरक्षा विशषज्ञों के साथ शिरकत कर रहे हैं। ईरान की तरफ से इस्लामाबाद वार्ता में प्रतिनिधि मंडल की कयादत ईरान की संसद के अध्यक्ष मौहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं और उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं।

ईरान का कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल अपने साथ मीनाब स्कूल सैन्य स्ट्राइक में मारे गए बच्चों और पीड़ितों की तस्वीरें और खून से लथपथ उनका स्कूल का सामान लेकर भी गया है। ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने के कारण, अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों द्वारा युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अगराची फरमाते हैं कि अमेरिका और ईरान के मध्य युद्ध विराम की शर्तें एकदम स्पष्ट और असंदिग्ध हैं। अमेरिका को युद्ध विराम अथवा इजराइल के माध्यम से जारी जंग में किसी एक को चुनना ही होगा। दूसरी तरफ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ऐलान कर रहे हैं कि आवश्यकता पड़ने पर इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष को फिर शुरू कर दिया जाएगा। नेतन्याहू के अल्फाज हैं कि हमारी उंगलियां अभी बंदूक के ट्रिगर पर रखी हुई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मक्रों ने इजराइल के आक्रमणकारी तेवरों की निंदा की है।

लेबनान व फ्रांस की एकजुटता

लेबनान के साथ फ्रांस की एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने फरमाया कि सैन्य हमले यकीनन युद्ध विराम के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। अमेरिका को इजराइल का अंध समर्थन करते रहने की अपनी रणनीति से बाहर आकर फिलिस्तीन समस्या का समाधान निकालना ही होगा, अन्यथा ये संघर्ष भविष्य में भी चलते रहेंगे। इन समस्त सैन्य संघर्षों के कारणवश मध्य पूर्व के खाड़ी देश में विनाशकारी खतरा बरकरार बना रहेगा। फिलिस्तीन को जब तक एक खुदमुख़्तार राष्ट्र का दर्जा हासिल नहीं हो जाता और फिलिस्तीनियों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदान की गई अपने हिस्से की सारी जमीन नहीं मिल जाती, तब तक न जाने कितने बेगुनाह नागरिकों कर रक्त धरा पर बहता ही रहेगा।

जंग लंबी चली तो बदल जाएगा दुनिया का भविष्य

समीकरण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत इन दिनों पूरी दुनिया की नजरों में है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रही यह वार्ता खाड़ी युद्ध को खत्म करने का आखिरी मौका प्रतीत हो रही है। फरवरी 2026 में शुरू हुए इस संघर्ष ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को प्रभावित कर दिया, हजारों लोगों की जान ले ली और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। दो हफ्ते का सीजफायर फिलहाल टिका हुआ है, लेकिन अगर इस्लामाबाद में बातचीत नाकाम रही और जंग लंबी खिंच गई तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और आम लोगों की जिंदगी बुरी तरह हिल जाएगी। सबसे बड़ा झटका ऊर्जा बाजार को लगेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का करीब 20-25 प्रतिशत तेल गुजरता है। अगर ईरान ने फिर से इसे ब्लॉक किया या हमले बढ़ाए तो रोजाना 15-20 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई रुक सकती है। अभी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुकी हैं। लंबी जंग की स्थिति में ये 130 से 170 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे अब तक का सबसे गंभीर सप्लाई शॉक बताया है। गैस की कीमतें भी दोगुनी हो जाएंगी। नतीजा साफ है कि हर जगह महंगाई का कहर। पेट्रोल, डीजल, ट्रांसपोर्ट, खाने-पीने की चीजें-सब कुछ महंगा हो जाएगा। विकसित देशों में महंगाई की आशंका बढ़ जाएगी, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं जैसे भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी क्योंकि ये तेल के बड़े आयातक हैं। ग्लोबल इकोनॉमी पर असर और भी गहरा होगा। अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह चोट खाएगी। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत में बुनियादी ढांचे पर हमले हो चुके हैं।

> **अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा।**

संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, अरब देशों की जीडीपी पर 120 से 194 बिलियन डॉलर का भारी असर पड़ सकता है। मानवीय संकट भी विकराल रूप ले लेगा। अभी तक हजारों मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। शरणार्थी संकट यूरोप और एशिया तक फैल सकता है। स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चरमरा जाएंगी। इसके साथ ही पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि युद्ध में तेल सुविधाओं और रिफाइनरियों पर हमले से प्रदूषण बढ़ेगा। वैश्विक राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अमेरिका-ईरान जंग से रूस और चीन को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है। रूस यूक्रेन मोर्चे पर अपना ध्यान बंटा सकेगा, जबकि चीन सस्ते दामों पर तेल खरीदकर अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करेगा। खाड़ी देश अमेरिका पर अपना भरोसा खो सकते हैं। नाटो गठबंधन में दरारें और गहरी होंगी। मध्य पूर्व में नए गठजोड़ बन सकते हैं। इजराइल-लेबनान फ्रंट एक बार फिर गर्म हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ेगा। हमारा लगभग 40 प्रतिशत तेल और 80 प्रतिशत गैस मध्य पूर्व से आता है। तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल आसमान छू जाएगा, रुपया और कमजोर होगा तथा मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीय मजदूर पहले ही वापस लौट रहे हैं। लंबी जंग का मतलब सिर्फ ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा होगा। उर्वरक महंगे होने से फसलें प्रभावित होंगी, जिससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी। गरीब देशों में भुखमरी बढ़ेगी और विकासशील दुनिया में आर्थिक अस्थिरता फैल जाएगी। अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत कामयाब हो गई तो पूरी दुनिया को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन अगर यह फेल हो गई तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दे दी है – फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। ईरान भी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। दोनों तरफ से सख्त रुख अपनाया जा रहा है। ऐसे में सारी दुनिया को दुआ करनी चाहिए कि वार्ता सफल रहे और खाड़ी क्षेत्र में शांति स्थापित हो। अन्यथा आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है।

इस्लामाबाद वार्ता में हल निकलना मुश्किल

संशय

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनी हुई है। यहां प्रस्तावित ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। शहर को जिस तरह से सुरक्षा घेरे में लिया गया है, वह इस बात का संकेत देता है कि इस बैठक से जुड़े जोखिम कितने गंभीर हैं। यह सब केवल एक बैठक के लिए नहीं, बल्कि उस संभावित खतरे के कारण है जो इसमें शामिल नेताओं पर मंडरा रहा है। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है। वेंस को एक संतुलित और व्यावहारिक नेता माना जाता है, जिन्होंने इस पूरे संकट के दौरान अपेक्षाकृत शांत और संयमित रुख अपनाया है। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे प्रभावशाली लोग भी मौजूद हैं, जो पहले भी मध्य पूर्व की जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभा चुके हैं। दूसरी ओर, ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जो अपने अनुभव और कूटनीतिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ मोहम्मद बाघेर गालिबाफ जैसे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, जिनकी भूमिका केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य और सुरक्षा मामलों में भी महत्वपूर्ण रही है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इजराइल को इस वार्ता से पूरी तरह अलग रखा गया है। यही कारण है कि इजराइल इस समझौते को लेकर न केवल असहज है, बल्कि खुलकर विरोध भी कर रहा है।

> ***इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की राहत मिले। हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है।***

इजराइल की चिंता यह है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता है, तो इससे ईरान को क्षेत्र में और अधिक ताकत मिल सकती है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है, और वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की कूटनीतिक या सैन्य राहत मिले। इसके अलावा, लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है, और वह इस संघर्ष को बीच में रोकने के पक्ष में नहीं दिखता। इसी कारण से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख काफी आक्रामक नजर आ रहा है। उन्होंने कई बार यह संकेत दिया है कि वे किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे, जो इजराइल की सुरक्षा के हितों के खिलाफ हो। हाल ही में लेबनान में हुए हमले इस बात का प्रमाण हैं कि इजराइल अपनी रणनीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है, क्योंकि उसे एक ओर अपने सहयोगी इजराइल के हितों का ध्यान रखना है और दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव कम करने की कोशिश करनी है। पाकिस्तान इस वार्ता के जरिए खुद को एक प्रभावशाली मध्यस्थ के रूप में स्थापित करना चाहता है। लंबे समय से कूटनीतिक स्तर पर हाशिए पर रहे पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा अवसर है। यदि यह वार्ता सफल होती है, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी और उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाएगा। यदि यह प्रयास विफल होता है, तो इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है और पाकिस्तान की साख को नुकसान पहुंच सकता है। शहर में लागू लगभग बंद जैसे हालात इस बात का संकेत हैं कि सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। आम नागरिकों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और केवल सुरक्षा बलों को ही प्रमुख क्षेत्रों में आने-जाने की अनुमति है। यह स्थिति एक तरह से यह भी दर्शाती है कि यह बैठक केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। अंततः कहा जा सकता है कि इस्लामाबाद में होने वाली यह वार्ता केवल एक समझौते की कोशिश नहीं, बल्कि कई देशों के हितों, आशंकाओं और रणनीतियों का संगम है। जहां एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इजराइल की नाराजगी और संभावित हस्तक्षेप इस प्रक्रिया को और जटिल बना रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक कदम साबित होती है या फिर एक और असफल प्रयास बनकर रह जाती है।

वह एक रात!

करवट

कुमार प्रशांत

एक ही रात में-7 अप्रैल 2026 - हजारों साल पुरानी व समृद्ध ईरानी सभ्यता के अस्तित्व को धरती से मिटा देने की मनोरोगी अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद क्या हुआ? अखबारी दुनिया के लोग कहेंगे कि उसके बाद 15 दिनों का युद्धविराम हुआ।

मैं कहूंगा कि नहीं, यह तो हुआ ही; और वह भी हुआ जो संभवतः मानवीय सभ्यता के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। ट्रंप की कयामत की रात की घोषणा के बाद न ईरान के सत्ताधारियों ने, न ईरान की बलिदानी जनता ने किसी के आगे गुहार लगाई, न हाथ फैलाया, न माफी मांगी। स्त्री-पुरुष-बच्चियां-बच्चे कोई कहीं रोता-कलपता भी नहीं दिखा. पिछले 40 दिनों से वे, खंडहर होते जा रहे अपने देश को सीने से लगाए, आसमान से बरसते विनाश का सामना कर रहे थे, आक्रमणकारी ट्रंप, गैरतहीन,धूर्त नेतन्याहू और इनके सफरमैना खाड़ी देशों को लगातार हथियारों से जवाब भी दे रहे थे, हालांकि वे जानते थे कि वे अब ज्यादा दिनों तक जवाब देने की हालत में नहीं हैं।

लेकिन 40 दिनों बाद आज, 7 अप्रैल को लड़ाई बदल गई थी। वे ही सब युद्ध की नई कुंडली लिखने सड़कों पर निकल आए थे, जो युद्ध जारी रख सकने की हालत में नहीं बचे थे. ईरान के जिन आण्विक संयंत्रों को, पुलों-राजमार्गों, नागरिक सुविधा के दूसरे तंत्रों, पूजा-स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों को बमों से ध्वस्त कर देने की घोषणा ट्रंप ने की थी, हमने देखा कि अपने-अपने ध्वस्त घरों से निकल-निकल कर ईरानी नागरिक इस सभी स्थलों को घेर कर खड़े होते गए कोई शोर नहीं, कोई नारेबाजी नहीं; सब एकदम शांत थे. लेकिन हर जगह लोग-ही-लोग थे कोई कह तो नहीं रहा था लेकिन जैसे कहीं से, कोई आसमानी घोषणा कर रहा था : हम यहां खुले में खड़े हैं, चलाएं ट्रंप उनके पास जो भी है. ईरान के मशहूर संगीतकार अली घामसारी ने एक संयंत्र के सामने वाली सड़क पर दरी बिछाई और अपना वाद्य बजाने लगे. ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांत पर दृढ़ आवाज में बताया : मरने की तैयारी रखनेवालों की सूची में अब तक 1.40 करोड़ ईरानी नागरिकों ने अपना नाम दर्ज करवाया है और उसमें पहला नाम मेरा है। यह ईरान के लिए कयामत की रात थी जिसे उसने कमाल की रात में बदल दिया था।

किसी ने देखा या नहीं देखा पता नहीं लेकिन इन बलिदानी ईरानियों की किसी कतार में महात्मा गांधी भी खड़े थे ! दुनिया के जिस भी कोने में लोग वीरता से बलिदान देने निकलते हैं, यह 'अधनंगा फकीर' वहां अपनी हाजिरी लगाता ही है। जयप्रकाश ने कभी हंगरी में, कभी

तिब्बत में, कभी बांग्लादेश में तो कभी चेकोस्लोवाकिया में इस गांधी को पहचाना था और उसके साथ खड़े हुए थे।

गांधी ने कहा था : विवश कायरता से कहीं भला होता है निडर बलिदान ! गांधी की अहिंसा का उपहास करने वाले किताबी बुद्धिजीवी व हिंदुत्व की अहंकारी भाषा में अपनी कायरता छिपाते रहने वाले कहां पहचान सकेंगे कि गांधी ने जिस चरम साहस की बात कही थी, ईरानी जनता में वह साहस 7 अप्रैल 2026 को मूर्तिमान हुआ था। यही अमरीका था और उसके ही परमाणु बम थे कि जिनसे हिरोशिमा-नागासाकी का अकल्पनीय विनाश हो चुका था. तब किसी ने पूछा था गांधी से : आप परमाणु बम का अहिंसा से कैसे मुकाबला करेंगे ? पूछने वाले ने सोचा था कि गांधी निरुत्तर रह जाएंगे लेकिन गांधी ने जवाब टाला नहीं, वे हिचके भी नहीं। कहा : विनाश का मुकाबला अकंप वीरता से ही किया जा सकता है. उन्होंने बात साफ की : जब बम ले कर आसमान में विमान आएगा तब मैं किसी खाई-खंदक में छुपूंगा नहीं, बल्कि खुले मैदान में निकल आऊंगा और अपलक उस विमान को देखता रहूंगा जो संपूर्ण विनाश ले कर आया है. मैं जानता हूं कि उस विमान का पायलट उस ऊंचाई से मुझे देख नहीं सकेगा लेकिन मैं तो उसे अपलक देख सकूंगा. बम उन सबको मार जाएगा जो बचने की कोशिश करेंगे; लेकिन वह उन सबको मार ही नहीं सकेगा जो मरने का भय छोड़ कर, उसकी आंखों-में-आंखें डाले सकेंगे ! फिल्मी डायलॉग है : जो डर गया वो मर गया; गांधी कहते हैं : करो या मरो !

कायर सवाल पूछते ही रहते थे : ऐसा हो सकता है क्या ? सामने से आती मौत की तरफ कैसे देखता रह सकता है कोई ? गांधी कैसी अविश्वसनीय-अव्यवहारिक बात कह रहे हैं ! 7 अप्रैल 2026 के बाद कोई ऐसा नहीं कह सकेगा. ईरान की बहादुर जनता ने विनाश के समक्ष आत्मबल का सर्जन करने की गांधी की कल्पना के समर्थन में अपना वोट दे दिया है. जो कल तक अहिंसक कल्पना थी, आज हकीकत बन गई है. गांधी कहते हैं : छिप कर भी मारे जाओगे लेकिन उस मौत में से असहायता व कायरता निकलेगी; मौत की आंखों में आंखें डाल कर मरोगे तो उसमें से चरम वीरता निकलेगी जो मारने वालों को असहाय व व्यर्थ बना देगी.

युद्ध, हिंसा,विनाश और शत्रुता के खिलाफ जो सदा ही अपनी आवाज बुलंद करता रहा; मानव-मन में गहरी पैठी हिंसा व प्रतिशोध की भावना की जड़ें अहर्निश काटता रहा; जो इन सबके विरुद्ध आज तक मनुष्य द्वारा उठाई सबसे अटूट, सशक्त व सक्रिय आवाज है, उस गांधी के लिए युद्ध, हिंसा, प्रतिशोध अजनबी नहीं थे. वह युद्ध के मोर्चे पर फौजी अधिकारी बन कर उतरा था; दो-दो विश्वयुद्ध की विभीषिका उसने देखी व झेली थी; उसने अपने मुल्क की नवजात आजादी पर पड़ोसी का फौजी हमला देखा था और उससे युद्ध करने वाली फौज को आशीर्वाद भी दिया था; अपनी हत्या के पांच प्रयासों के बावजूद बगैर किसी कड़वाहट के उसने मानवीय आजादी व गरिमा का अपना अभियान जारी रखा था; जैसा सांप्रदायिक उन्माद संसार ने पहले देखा नहीं था वैसे सांप्रदायिक उन्माद में पांव-पांव लगातार भटकता रहा था वह; सांप्रदायिक हिंसा के कई थपेड़े उसने झेले थे और फिर उसी सांप्रदायिक आग में जल कर वह भस्म हुआ था. तो हम कह सकते हैं कि गांधी ने युद्ध के खिलाफ तमाम उम्र युद्ध ही लड़ा ! आज ईरान ने कहा है : हर युद्ध के अंत में बचते हैं गांधी ही, क्योंकि वे हिंसा, घृणा व प्रतिशोध के सामने कभी सर नहीं झुकाते हैं।

बाबा साहब आप अवाम के हीरो हैं!

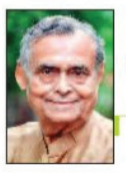

जिरहनामा

कनक तिवारी

संविधान को लेकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के दो तरह के चेहरे दिखाए जाते हैं। संविधान निर्माण के सिलसिले में कुछ लोगों ने बेहूदी टिप्पणियां भी की हैं कि आंबेडकर न तो संविधान निर्माता हैं, न संविधान नियामक हैं, न संविधान के अधिकृत प्रवक्ता। उन्होंने केवल संविधान सभा के सदस्यों और समितियों से मिली तरह तरह की रिपोर्टों को एकजाई कर प्रारूप समिति के चेयरमैन की हैसियत में संविधान सभा की बहस के लिए पेश भर कर दिया। बाकी काम तो संविधान सभा के सदस्यों ने आपसी बहस मुबाहिसे के जरिए किया। कभी भाजपा में रहे मशहूर पत्रकार अरुण शौरी ने तो 'वर्शिपिंग फॉल्स गॉड्स' नाम की किताब भी लिख दी। पता नहीं वह किताब क्यों लिखी? उसमें बहुत गलतबयानी है। आंबेडकर के खिलाफ जबरिया कई बातें खोजी गई हैं। अगर नहीं करते तो क्या बिगड़ जाता?

दूसरी तरफ आंबेडकर के पक्ष में जातीय समरसता के कारण तथा अन्य प्रताड़ित लोग उनकी देवता की तरह पूजा करते हैं। वे संविधान निर्माण के संदर्भ में आंबेडकर की भूमिका को आलोचनात्मक आधार पर सुनना समझना नहीं चाहते। उनका यहां तक कहना होता है कि संविधान केवल बाबा साहब की अकेली और मौलिक देन है। बाकी संविधान निर्माताओं के संबंध में उनकी कोई सार्थक टिप्पणी होती भी नहीं। वे बाबा साहब के जन्मदिन और परिनिर्वाण दिवस की बड़ी बहसों में ऐसे लोगों को नहीं बुलाते जो उनकी निगाह में सवर्ण हैं और इसलिए बाबा साहब का मूल्यांकन करने में पैदाइशी असमर्थ हैं। यह भी अम्बेडकर पर एक तरह की एकाधिकारवादिता है। इससे आंबेडकर का यश लोकजीवन में विस्तारित कैसे होगा? ऐसे लोग उन बारीकियों को भी नहीं खोजते जो बाबा साहब की विशेषताएं हैं।

आंबेडकर को लेकर एक बात बहुत साफ है। आंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाकर अहसान नहीं किया गया। वे आजादी की लड़ाई के योद्धा या किसी पार्टी के सदस्य नहीं थे। उनकी बौद्धिक प्रतिभा का कोई सानी नही था। इसलिए आंबेडकर को संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाना किसी व्यक्ति की इच्छा नहीं, इतिहास की अनिवार्यता थी। विनम्र जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि यदि बाबा साहब प्रारूप समिति के अध्यक्ष नहीं होते। तो संविधान उस तरह लगभग 300 सदस्यों की बहस को अपनी प्रतिभा से समेटते तीन बरस में लिखा नहीं जा सकता था। इतिहास का सच है कि आंबेडकर का विकल्प नहीं था। संविधान के एक एक अनुच्छेद पर बाबा साहब की तीखी नजर रहती थी। गफ़लत में नहीं होते थे। न अनदेखी करते थे। जानना जरूरी है कि उनसे सहयोग करने कानूनी विद्वानों की आलिम फाजलि समिति भी थी जो उनसे सहकार करती थी। इसका अहसान भी

उन्होंने माना है।

आंबेडकर की सबसे बड़ी खसूसियत का ब्यौरा लोग बताते तक नहीं। वे अपने तईं कई तरह की संवैधानिक व्याख्याओं में विश्वास करते थे। उसका ब्यौरा उन्होंने लेखी में और भाषणों में भी दिया है। जब संविधान सभा का बहुमत उनसे सहमत नहीं होता था, चाहे उसके लिए कोई भी वजह रही हो, तब आंबेडकर की उदारता थी कि उन्होंने निजी रूप में कहे गए अपने विचारों को प्रारूप समिति के चेयरमैन के भाषणों के नीचे दफन कर दिया। यदि आंबेडकर ने निजी राय को बहुमत ने खारिज करके दाखिल दफ्तर नहीं किया होता, तो हिन्दुस्तान के आईन की हालत शायद बेहतर होती। मसलन जब मूल अधिकारों को लेकर सरकार पर बंदिश लगनी थी कि मूल अधिकार तब ही प्रभावित होंगे जब 'ड्यू प्रोसेस आफ लॉ' की परीक्षा में खरे उतरें। तब संविधान सलाहकार बी० एन० राव ने भांजी मारी कि अमेरिका के सबसे प्रभावशाली जज फेलिक्स फ्रैंकफर्टर ने सलाह दी है कि जनता के मूल अधिकारों पर आंच की जांच बड़ी अदालतें 'ड्यू प्रोसेस ऑफ लॉ' के तहत करेंगी, तो मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। भारत अमेरिका की तरह अनुभवसिद्ध लोकतंत्र नहीं है, जहां वर्षों से संविधान की हुकूमत चल रही है। तब एक नया लोकतंत्र हुकूमत कैसे करेगा? इसलिए उसे कहें **procedure established by law**. बहुत दुख के साथ अम्बेडकर ने कहा था मैं मानता हूं कि ऐसा मंत्रिमंडल आ सकता है जो जनता के खिलाफ गैरमुनासिब फैसला करे। दूसरी ओर काले कोट में लकदक पांच छह जज बंद कमरे में बैठकर सरकारी फैसला बदल दें। एक तरफ कुआं है। दूसरी तरफ खाई है। मंत्रिपरिषद और सुप्रीम कोर्ट के संभावित विवाद को लेकर आंबेडकर ने कहा था आप लोग खुद फैसला करिए। मैं कुछ नहीं कह सकता।

हिन्दू मुस्लिम के सवाल पर अम्बेडकर दूसरों से ज़्यादा वैज्ञानिक और स्पष्टवादी थे। उन्होंने साफ कहा बहुसंख्यक लोग सोचें कि अल्पसंख्यक उन पर बोझ हैं या इतिहास की अतिरिक्तता या दुर्घटना हैं। तो अल्पसंख्यक भयंकर विस्फोटक के बराबर होते हैं। अगर फटे तो सारे राजकीय ढांचे को तहस नहस कर सकते हैं। यूरोप का इतिहास इसका उदाहरण है। यह नज़रिया बदलना पड़ेगा। अल्पसंख्यक भी सोचें हर समय पूरी तौर पर सांस्कृतिक और साभ्यतिक तौर पर अलग थलग ही रहेंगे। तो वह भी एक गलत नज़रिया है।

यक्ष प्रश्न है बाबा साहब ने तो हमवतनों को बहुत कुछ दिया। बाद की भारतीय पीढ़ी ने बाबा साहब की कितनी बात मानी? दलितों के मसीहा ने दलितों के अधिकारों के लिए भीख नहीं मांगी। संघर्ष करना सिखाया। उनके नाम से अपनी राजनीतिक दूकान सजाने वाले तरह तरह के अनुयायी दलित वर्गों को किस तरह बांट चुके हैं। दलित महिलाओं का सड़कों पर बलात्कार और उन पर अत्याचार किया जा रहा है। योग्यता के बावजूद भी उन्हें बडे पद नहीं मिलते। न्यायपालिका की नौकरियों में दलितों का कितना स्थान है? क्या हिन्दुस्तान में जातिवाद खत्म हो रहा है? क्या जातीय जनगणना ही उनकी तरफ जाने का इकलौता रास्ता है? नागपुर में बाबा साहब हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म में चले गए थे। आंबेडकर की शोहरत उपलों की दीवार नहीं है, जिसे एक झटके से गिरा दिया जाए।

बाबा साहब ने सिखाया संविधान वह किताब है जो हर हिन्दुस्तानी के हाथ में होनी चाहिए। देश में 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को हर माह पांच किलो राशन सरकार से मुफ्त में दिया जा रहा है। उससे लोकतंत्र चल रहा है। सरकार चल रही है। तो संविधान की पोथी हर एक हाथ में क्यों नहीं हो सकती जिससे हर मनुष्य में अपनी जम्हूरियत का गौरव तो हो?

विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन, तैयारियों को लेकर एसपी ने ली बैठक

हमारा समाचार

कोटपूतली। जिला मुख्यालय कोटपूतली शहर में आगामी 16 अप्रैल को राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस का आयोजन किया जायेगा। इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। जिसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुये आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही जिले के आसूचना अधिकारी व लिंक आसूचना अधिकारी/कालिका यूनिट/डी.एस.टी व ए.जी.टी.एफ. आदि टीमों के साथ संवाद किया। एसपी ने जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) से समन्वय कर 15 अप्रैल को स्कूली छात्र व छात्राओं के लिये जिला स्तर पर एवं 17 अप्रैल को संभाग स्तर पर आयोजित होने वाली क्विज प्रतियोगिता को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एसपी ने जिले के आसूचना अधिकारियों व लिंक आसूचना अधिकारी के साथ संवाद कर आसूचना अधिकारियों व लिंक अधिकारियों को पंचायत व निकाय चुनाव के मध्यनजर अपने-अपने थाना क्षेत्र के महत्वपूर्ण व्यक्तियों का व्हॉट्सअप ग्रुप बनाने एवं ग्रुप से सभी से जुड़कर आसूचना संकलन करने हेतु निर्देशित किया। जिले में संचालित कालिका यूनिट से संवाद कर आमजन को अधिक से अधिक राजकोप एप के बारे में जानकारी, बालिकाओं व महिलाओं को साईबर ठगी के बारे में जानकारी देकर साईबर ठगी होने पर की जाने वाली कार्यवाही के बारे में बताना, आपातकालीन हैल्पलाईन नं. 112, चाईल्ड हैल्पलाईन नं. 1098, गरिमा हैल्पलाईन नं. 1090 के बारे में जानकारी, साईबर हैल्पलाईन नं. 1930 के बारे में जानकारी, बालिकाओं को पोक्शो एक्ट, घरेलू हिंसा कानून के बारे में जानकारी व जागरूक किये जाने हेतु निर्देशित किया। उपस्थित डी.एस.टी टीम व ए.जी.टी.एफ. टीम के साथ संवाद कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी एएसपी नाजिम अली खान समेत पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

केमिकल से भरा ट्रक बना आग का गोला:धुआं उठता देख दौड़कर आया ड्राइवर

हमारा समाचार

अजमेर। अजमेर में केमिकल से भरे मिनी ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते खड़ा ट्रक आग का गोला बन गया। पास के रेस्टोरेंट में चाय पी रहा ड्राइवर तुरंत दौड़ कर आया और जलते ट्रक को स्टार्ट कर आबादी क्षेत्र से करीब 100 मीटर दूर खाली स्थान पर ले गया। इससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना श्रीनगर थाना क्षेत्र में कानाखेड़ी की शनिवार सुबह 10 बजे की है। थाना प्रभारी पारुल यादव ने बताया- केमिकल से भरे ट्रक में आग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ट्रक में बैटरी में डाले जाने वाले एसिड के ड्रम रखे हुए थे। आग इतनी भीषण थी कि आसमान में धुएं का गुबार नजर आया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

पारुल यादव ने बताया कि मिनी ट्रक मुंबई से केमिकल भरकर लाया था और बहरोड़ की ओर जा रहा था। कानाखेड़ी के पास उसमें आग लग गई। ट्रक ड्राइवर परेश रावल और उसका साथी (खलासी) रेस्टोरेंट पर चाय पीने के लिए रुके थे। उन्होंने ट्रक को पेड़ के नीचे खड़ा कर दिया। ड्राइवर को ट्रक से धुआं निकलते दिखा। वह दौड़कर ट्रक के पास पहुंचा और उसे स्टार्ट कर खाली जगह ले जाकर खड़ा कर दिया। लपटें बढ़ती देख आसपास के लोग पानी से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। उसके बाद दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। ट्रक में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग ने ट्रक में रखे ज्वलनशील एसिड को चपेट में ले लिया था।

झुंझुनूं में बदमाशों को पकड़ेंगे 500 पुलिसकमी

हमारा समाचार

झुंझुनूं। झुंझुनूं में अपराध और गैंगवार पर पूरी तरह शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने बड़ा अभियान शुरू कर दिया है, जिसमें 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। कार्रवाई की कंट्रोल रूप से निगरानी रखी जाएगी। रविवार अलसुबह पुलिस ने 30 टीमों के साथ एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया और फरार व हार्डकोर बदमाशों की धरपकड़ शुरू हो गई।

एसपी कावेन्द्र सिंह सागर बोले- एरिया डोमिनेशन के तहत कार्रवाई

एसपी कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया - पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में अमन-चैन और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया है। 'एरिया डोमिनेशन' के तहत यह कार्रवाई की जा रही है, ताकि अपराधियों में भय पैदा किया जा सके और लंबे समय से फरार चल रहे बदमाशों को गिरफ्तार किया जा सके।

30 टीमें और 500 जवानों का जाप्ता

एसपी के अनुसार, जिलेभर में 30 विशेष टीमें गठित की गई हैं, जिनमें करीब 500 पुलिसकर्मी शामिल हैं। इन टीमों ने सुबह तड़के ही चिन्हित बदमाशों, हिस्ट्रीशीटर, हार्डकोर अपराधियों और वांछितों के घरों और ठिकानों पर एक साथ दबिश दी, ताकि उन्हें संभलने का मौका न मिले।

एसपी खुद कर रहे मॉनिटरिंग, एएसपी ले रहे अपडेट

एसपी कावेन्द्र सिंह सागर खुद इस पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं, जबकि एडिशनल एसपी देवेंद्र राजावत लगातार अपडेट ले रहे हैं। कंट्रोल रूम से सभी टीमों की लोकेशन और कार्रवाई पर नजर रखी जा रही है, जिससे अभियान प्रभावी और गोपनीय बना रहे।

सभी सर्कल में डीएसपी स्तर के अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

एसपी ने बताया कि जिले के सभी 6 सर्कल में डीएसपी स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। झुंझुनूं शहर में गोपाल ढाका, झुंझुनूं ग्रामीण में हरिसिंह धायल, नवलगढ़ में महावीर सिंह, बुहाना में नोपा राम भाकर, खेतड़ी में जुल्फिकार खान और चिड़ावा क्षेत्र में डीएसपी के नेतृत्व में टीमों ने दबिश दी। एसपी के मुताबिक इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में सक्रिय गैंग्स को तोड़ना और लंबे समय से फरार अपराधियों को गिरफ्तार कर कानून के दायरे में लाना है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

राज्य सरकार कर रही मोबिलिटी रिटेल इकोसिस्टम का निर्माण ऑटोमोबाइल रिटेल सेक्टर विकसित

हमारा समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने नीतिगत निर्णयों से निवेशकों और उद्यमियों के लिए प्रदेश में अपार संभावनाओं के द्वार खोले हैं। ऑटोमोबाइल रिटेल सेक्टर विकसित राजस्थान के ग्रोथ इंजन का महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को बुनियादी सुविधाएं एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। शर्मा शनिवार को जयपुर में फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित व्यापार राजस्थान 2026 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल रिटेल सेक्टर राजस्थान की आर्थिक प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ऑटोमोबाइल डीलर्स से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने लिए महत्वपूर्ण निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑटोमोबाइल सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जिनमें राज्य में गैर परिवहन वाहनों के अधिकृत वाहन डीलर को जिला परिवहन अधिकारियों की भांति वाहनों के पंजीयन किए जाने की शक्तियां प्रदान की गई हैं। वाहन डीलर द्वारा वाहन के पंजीयन से संबंधित समस्त कार्यवाही ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूर्णतया पेपरलेस कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अधिकृत वाहन डीलर के साथ-साथ राज्य में वाहन निर्माताओं को गैर परिवहन वाहनों के पंजीयन की शक्तियां प्रदान की गई हैं। वाहन डीलरों द्वारा पंजीयन के साथ ही हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा यूज्ड कार के क्रय-विक्रय का कार्य करते वाले डीलर्स को अधिकृत कर ट्रेड प्रमाण पत्र ऑनलाइन माध्यम से जारी किया जा रहा है। वाहन एवं सारथी पोर्टल पर उपलब्ध 58 सेवाओं में से 53 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

'गिविंग व्हील्स टू विकसित राजस्थान' सार्थक और प्रेरणादायक

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पुरानी कारों के लिए भी नीति निर्माण का कार्य किया है, जिसके चलते पुरानी कारों के बाजार को सुव्यवस्थित और विनियमित करने से उपभोक्ता धोखाधड़ी से सुरक्षित रहेंगे। साथ ही, राज्य को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि शहरों में यातायात की समस्या को देखते हुए ऑटो रिटेल जोन की स्थापना का सुझाव ट्रैफिक प्रबंधन में सहायक होगा और डीलर्स को एक व्यवस्थित व्यापारिक वातावरण प्रदान करेगा। इससे उपभोक्ताओं को भी एक ही स्थान पर सभी वाहन संबंधी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि मोबिलिटी क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। इस बदलते दौर में आयोजन की थीम 'गिविंग व्हील्स टू विकसित राजस्थान' सार्थक और प्रेरणादायक है। हमारी सरकार एक कुशल, पारदर्शी और प्रभावी मोबिलिटी रिटेल इकोसिस्टम का निर्माण कर रही है। इससे आने वाले समय में राजस्थान विकसित भारत का अग्रणी राज्य बनेगा।

ऑटोमोबाइल रिटेल क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से राजस्थान निवेश एवं व्यापार का पसंदीदा केंद्र बनकर उभर रहा है। राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू इस बात का प्रमाण हैं। इनमें से लगभग 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था का ऑटोमोबाइल रिटेल क्षेत्र महत्वपूर्ण स्तंभ है। प्रदेश के हजारों डीलर्स प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। साथ ही, जीएसटी राजस्व संग्रह में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। कौशल विकास एवं ऑन जॉब टेर्अनिंग मॉडल से युवाओं के बेहतर भविष्य की मजबूत आधारशिला तैयार हो रही है।

कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं इस क्षेत्र से जुड़े हितधारक उपस्थित रहे।

अजमेर में बिल को लेकर होटल में मारपीट

हमारा समाचार

अजमेर। अजमेर के कोतवाली थाना क्षेत्र के कचहरी रोड स्थित होटल सम्राट में शनिवार देर रात खाने-पीने के बिल को लेकर ग्राहक और होटल स्टाफ के बीच मारपीट हो गई। मारपीट इतनी बढ़ी कि होटल के अंदर से दोनों पक्ष एक दूसरे को पीटते हुए सड़क पर ले आए। सूचना पर कोतवाली, क्लॉक टावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली सीआई अनिल देव कल्ला ने बताया कि पुलिस ने आठ लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया। फिलहाल किसी पक्ष की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई। होटल के मैनेजर दीपक मोहन का आरोप था कि उदय गुप्ता होटल में आया। उसने बताया कि उसे बाहर से खाने की चीजें होटल में नहीं लाने दी जा रही जबकि दूसरों को छूट दी जा रही है। इस पर बहस के बाद कहासुनी हो गई। उदय ने अपने परिचितों को बुला लिया, जिन्होंने आते ही होटल स्टाफ से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में दीपक और होटल स्टाफ के तीन लोग घायल हुए।

फतेहपुर में पागल कुत्ते का हमला, 7 लोग घायल

हमारा समाचार

फतेहपुर। फतेहपुर के आसपास के गांवों में एक पागल कुत्ते ने हमला कर दो महिलाओं सहित सात लोगों को घायल कर दिया। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। हमले में घायल सभी लोगों को तुरंत धानुका ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। छह घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि एक बुजुर्ग महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायलों में 80 वर्षीय मोहिनी देवी की हालत गंभीर बनी हुई है। अन्य घायलों में मरडाटू गांव के 8 वर्षीय कीर्त, 5 वर्षीय मोहम्मद और 13 वर्षीय योगेश शामिल हैं। कारंगा छोटा गांव से 3 वर्षीय तरुण और 34 वर्षीय ऊषा कंवर भी घायल हुए हैं। मंडेला बड़ा गांव के 18 वर्षीय हेमंत भी इस हमले का शिकार हुए हैं। जानकारी के अनुसार, कुत्ते ने मरडाटू, कारंगा छोटा और मंडेला बड़ा सहित तीन अलग-अलग गांवों में लोगों पर हमला किया।

ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पागल कुत्ते को पकड़ने की मांग की है, क्योंकि इलाके में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो और भी लोग इस हमले का शिकार हो सकते हैं।

प्रशासन और पशु विभाग से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप की अपील की जा रही है।

सीकर-रतनगढ़ फोरलेन का 1038 करोड़ का प्रस्ताव भेजा:शहर में जाम की समस्या से मिलेगी निजात

हमारा समाचार

सीकर। नेशनल हाईवे-52 को सीकर रामू का बास तिराहे से लेकर रतनगढ़ तक अब फोरलेन में तब्दील किया जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 1038 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। RSRDC डिपार्टमेंट ने इसका डिटेल्ड एस्टीमेट तैयार कर मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेज दिया है। जैसे ही केंद्र सरकार से इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिलेगी, फोरलेन का काम शुरू हो जाएगा। नए प्लान के तहत रामू का बास से रतनगढ़ तक करीब 72 किलोमीटर लंबे हिस्से को फोरलेन किया जाएगा। गौरतलब है कि सीकर से लक्ष्मणगढ़ के बीच फोरलेन बना हुआ है। इसलिए करीब 7 महीने पहले विभाग ने लक्ष्मणगढ़ से फतेहपुर के बीच 39 किलोमीटर लंबी सड़क को फोरलेन करने का प्लान बनाया था, जिसके लिए 402 करोड़ रुपए का प्रस्ताव केंद्र को भेजा था। लेकिन अब उस पुराने प्लान की जगह पूरे 72 किलोमीटर हिस्से का नया प्रस्ताव भेजा गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, सीकर से फतेहपुर तक के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) पूरी तरह तैयार हो चुकी है, जबकि फतेहपुर से रतनगढ़ के बीच टोल प्लाजा की स्वीकृति मिलने का इंतजार किया जा रहा है। NH-52 पर अभी सीकर से रतनगढ़ के बीच कैपेसिटी से ज्यादा ट्रैफिक लोड है। सीकर में बाइपास होने के बावजूद यहां भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है, जिससे अक्सर लंबे जाम की स्थिति बन जाती है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति सड़क हादसों की है। सदर थाना पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रामू का बास से भढाढर तिराहे तक करीब 15 किलोमीटर के दायरे में पिछले तीन साल (दिसंबर 2025 तक) में हुए सड़क हादसों में 128 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। वहीं, सीकर से फतेहपुर के बीच सड़क हादसों में 3 साल में कुल 200 लोगों की जान जा चुकी है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार तेज रफ्तार और गलत ओवरटेकिंग इन हादसों का मुख्य कारण हैं। फोरलेन बनने से दुर्घटनाओं में कमी आने की पूरी उम्मीद है। नई DPR में रोड सेफ्टी और पैसेंजर्स कंफर्ट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत अत्याधुनिक ट्रैफिक कंट्रोल डिवाइस, बेहतरीन ड्रेनेज (जल निकासी) सिस्टम, क्रॉसिंग सुधार और हाईवे के बीच आकर्षक मीडियन हॉर्टीकल्चर व एवेन्यू प्लांटेशन का विशेष प्रावधान रखा गया है। नए प्रस्ताव में फिलहाल किसी क्रॉसिंग या चौराहे पर ओवरब्रिज का प्रावधान नहीं है, लेकिन विभागीय अधिकारियों का कहना है कि रामू का बास से रतनगढ़ तक कई प्रमुख जगहों पर ओवरब्रिज बनाने की योजना है। इनमें सांवली सर्किल, धोद चौराहा और सीकर-सालासर मार्ग के स्टेट हाइवे क्रॉसिंग शामिल हैं। इसके अलावा पालवास चौराहे की एमडीआर सड़क, चंदपुरा और कंवरपुरा रोड सहित कई अन्य चौराहों पर भी छोटे ओवरब्रिज बनाए जा सकते हैं। वहीं, सीकर शहर में पालवास चौराहे से लक्ष्मणगढ़ के बीच मेन रोड पर स्थित कई बड़े शैक्षणिक संस्थानों के सामने विशेष 'स्लिप लेन' बनाने का भी प्रस्ताव है, ताकि छुट्टी के समय तेज रफ्तार वाहनों से बच्चों को कोई खतरा ना रहे।

सरकारी हॉस्पिटल के डॉक्टर ने रेप किया, अश्लील वीडियो बनाए

हमारा समाचार

अजमेर। अजमेर में जनाना हॉस्पिटल के डॉक्टर पर 16 साल की लड़की ने रेप का आरोप लगाया है। आरोप है कि लड़की ने घटना के बारे में अपने जानकार ईमित्र संचालक को बताया तो उसने भी रेप किया। इसके बाद धमकियां भी दीं। दोनों ने अश्लील फोटो और वीडियो बनाए और ब्लैकमेल किया। 11 अप्रैल 2026 को पीड़िता की बहन ने थाने में मामला दर्ज कराया। पीड़िता की बहन ने रिपोर्ट में बताया- हमारी भाभी की डिलीवरी जनाना अस्पताल में हुई थी। इस दौरान मेरी नाबालिग बहन भाभी के साथ जनाना हॉस्पिटल में मौजूद थी। हॉस्पिटल में डॉक्टर से मुलाकात हुई। डॉक्टर ने नाबालिग बहन को अपने जाल में फंसा लिया। मोबाइल नम्बर ले लिए। डिलीवरी होने के 14 दिन बाद भाभी को डिस्चार्ज कर दिया गया था। डॉक्टर ने लड़का होने की बधाई दी।

14 फरवरी को फ्लैट पर ले गया

आरोप है कि डॉक्टर कार में घुमाने के बहाने 14 फरवरी 2025 को नाबालिग को फ्लैट में ले गया। कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और उसके साथ रेप किया। अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। इसके बाद डॉक्टर ने फोटोज और वीडियो दिखाकर नाबालिग को ब्लैकमेल किया। 8 से 10 बार रेप किया। गर्भनिरोधक गोलियां खिलाईं। इस दौरान लड़की कॉलोनी की एक ई-मित्र दुकान पर स्कूल के काम से जाती रहती थी। नाबालिग ने अपनी पीड़ा ई-मित्र चलाने वाले युवक को बताई। युवक ने नाबालिग की मजबूरी का फायदा उठाते हुए झूठे वादे किए। डॉक्टर के चंगुल से निकलवाने का वादा किया। फिर होटल में ले जाकर जबरदस्ती रेप किया। विरोध करने पर ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि ईमित्र संचालक ने कहा- या तो जैसा मैं कहूं वैसा कर, नहीं तो मैं तेरे को पूरी कॉलोनी में बदनाम कर दूंगा।

नाबालिग के शरीर पर दिखे चोट के निशान

बहन ने रिपोर्ट में बताया- ई-मित्र संचालक ने नाबालिग के साथ 6 बार होटल में ले जाकर रेप और मारपीट की। 10 अप्रैल को जब नाबालिग कपड़े बदल रही थी तो शरीर पर आए चोटों के निशान देखे। पूछा तो नाबालिग बहन फूट-फूटकर रोने लगी और पूरी आपबीती बताई।

दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया

आखिर डॉक्टर व ईमित्र चलाने वाले युवक पर ब्लैकमेल कर नाबालिक से रेप का केस दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच संबंधित थाना प्रभारी को सौंप दी है। थाना प्रभारी ने बताया- पीड़िता की बहन की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस सम्बन्ध में डॉक्टर से सम्पर्क करने का प्रयास किया तो मोबाइल फोन बंद आया।

सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा पहली बार 10 देशों में भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह का आयोजन

हमारा समाचार

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा मोती डूंगरी स्थित गणेश जी मंदिर में आज वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया गया। गणेश निमंत्रण के साथ 15 दिनों तक चलने वाले इस भव्य आयोजन की शुरुआत हुई। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने सपत्निक श्रीमती नीलम मिश्रा, सुदर्शन आचार्य (घाट के बालाजी), आचार्य राजेश्वर जी, संजय गोस्वामी (लाडली मंदिर), त्रिविकामा चार्य जी महाराज, लोकेश मिश्रा (प्राचीन श्याम मंदिर), गीता गायत्री मंदिर के युवा आचार्य पं. नीतीश चतुर्वेदी, मेहंदीपुर बालाजी के प्रतिनिधि सुदीप तिवारी सहित संत-महंतों की उपस्थिति में प्रथम पूज्य भगवान गणपति का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें समारोह हेतु आमंत्रित किया। वैदिक मंत्रोच्चारण एवं सस्वर पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जयपुर शहर अध्यक्ष अजय शर्मा ने जानकारी दी कि इस वर्ष भगवान परशुराम जन्मोत्सव न केवल राजस्थान एवं देश में, बल्कि विश्व के 10 प्रमुख देशों में भी आयोजित किया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, लंदन, कनाडा, इटली, अमेरिका, बैंकाक, दुबई, कतर एवं पोलैंड शामिल हैं। 19 अप्रैल (अक्षय तृतीया) को इन सभी स्थानों पर धूमधाम से आयोजन होंगे। साथ ही देश की सभी राजधानियों में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान के सभी जिला मुख्यालयों, तहसील एवं गांव-ढाणी स्तर तक शोभायात्रा, कीर्तन एवं सम्मान समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रम 15 दिनों तक आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री (महिला प्रकोष्ठ) सविता शर्मा, जयपुर शहर अध्यक्ष अजय शर्मा, जयपुर शहर संगठन महामंत्री परमिंदर शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के जयपुर संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा, जयपुर संभाग अध्यक्ष अनिल सारस्वत, महामंत्री मनोज मिश्रा, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट कमलेश शर्मा सहित पदाधिकारियों ने पूजा-अर्चना कर गणेश निमंत्रण किया। इस दौरान भगवान परशुराम जी के कटआउट एवं रंगीन स्टीकर का भी विमोचन किया गया। विमोचन समारोह में पंकज शर्मा (सोडाला), विष्णुदत्त शर्मा, सत्यवीर भारद्वाज, युवा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, राजेश शांडिल्य, राजू शर्मा, भरत शर्मा, वरुण शर्मा, अशोक शर्मा, उमाशंकर शर्मा, अनिल सारस्वत, पंकज शर्मा, सूर्या शर्मा, देवेंद्र शर्मा, हरि शर्मा, राम शर्मा, मंजूलता शर्मा, निधि शर्मा, महेश भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विमोचन समारोह में लगभग 200 से अधिक ब्राह्मण समाज के विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारी एवं गणमान्य विप्र बंधु उपस्थित रहे। इस दौरान ब्राह्मण युवाओं ने भगवान गणेश जी महाराज एवं भगवान परशुराम जी के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि 15 दिनों तक चलने वाले इस समारोह का विधिवत शुभारम्भ हो चुका है और पूरे प्रदेश में शोभायात्रा, कीर्तन, सम्मान समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर युवाओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

हमारा समाचार

कोटपूतली। कांग्रेस एससी विभाग के जिलाध्यक्ष, पूर्व पार्षद व कांग्रेस नेता तारा पूतली के नेतृत्व में शनिवार को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस मौके पर कृष्ण कुमार, सोमवीर, अजय यादव, प्रियांशु कुमार, जितेन्द्र कुमार, सौरभ शर्मा ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस दौरान माही कसाना, उमेश वर्मा, आशीष वर्मा, विनोद सैनी, जितेंद्र कसाना, राहुल कसाना, भूपसिंह पूतली, रूप स्वामी, सचिन सैनी, बबलू सिरोहीवाल, रामनिवास यादव समेत अन्य मौजूद रहे। महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर किया मार्ल्यापण :- वहीं कांग्रेस नेता तारा पूतली ने यहां के मुख्य चौराहा स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले स्मारक पर उनकी प्रतिमा पर मार्ल्यापण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर तारा पूतली ने कहा कि शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम मानने वाले फुले ने अपना संपूर्ण जीवन वंचित, शोषित वर्गों के उत्थान और नारी सशक्तिकरण के लिये समर्पित किया।

किशनपुरा में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का हुआ अनावरण

हमारा समाचार

गोविंदगढ़ । ग्राम पंचायत किशनपुरा के मावलियो की ढाणी में संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधायक डॉ.शिखा मील बराला ने कहा बाबा साहब ने हमारे देश को संसार का सबसे समृद्ध संविधान दिया है। आज उनके ही बदौलत हमारा देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल हर क्षेत्र में कार्य किया गया है। इस दौरान प्रधान रामस्वरूप यादव, उप प्रधान कमला जाट, भाजपा नेता मुकेश चौधरी, नाथूलाल जाट आदि ने कहा बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलते हुए हमें घर, गांव और किसान देश का विकास करना है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने शिक्षा और संगठन का रास्ता बताया था उनका हमें अनुशरण करना चाहिए। इस दौरान सरपंच संघ अध्यक्ष हरदेव सिंह देवंदा, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह मीणा, पूर्व मंडी चेयरमैन सांवरमल जाट, बाबूलाल गढ़वाल, सहकारी अध्यक्ष हरफूल गढ़वाल व रेलवे कर्मचारी नेता राजेंद्र मीणा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सागर चौधरी, पूर्व सरपंच झाबर मल बुनकर, राजेंद्र नागर, शंकरलाल रैगर, राजेंद्र परिहार ने कहा बाबा साहब की मूर्ति हमें रोजाना आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहेगी। हमें महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। इस दौरान आयोजक डॉ. भीमराव अंबेडकर सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने आगंतुक अतिथियों और क्षेत्र वासियों का स्वागत किया।

अगर वेद नहीं होंगे तो धर्म एक काल्पनिक कथा हो जायेगी

सनातन धर्म संवाद एवं गौरक्षा प्रवचन

हमारा समाचार

कोटा । श्री नाहरसिंगी माता मंदिर वेद विद्यालय धर्मपुरा द्वारा आयोजित सनातन धर्म संवाद एवं गौरक्षा प्रवचन कार्यक्रम में जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने वेद विद्यालय के आचार्यों व बटुकों सहित गो सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर वेद नहीं होंगे तो धर्म एक काल्पनिक कथा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जब हम राम के दर्शन करने जाते हैं तब हमारे मन में भी यह विचार नहीं आता कि जिस राम के दर्शन को हम यहां आए हैं वह राम किसके दर्शन के लिए इस धरती पर आए थे। तब यह स्पष्ट है कि गौ माता की रक्षा के लिए भगवान राम का अवतार हुआ इस भरत भूमि भारत में हम भगवान राम के दर्शन को तो लालायित हो जाते हैं जो मूर्ति रूप में विद्यमान है लेकिन हम उस गौ माता की प्रताड़ना को, उसके दर्द को, उसके कष्ट को नहीं देख पा रहे हैं, नहीं सुन पा रहे हैं, नहीं समझ पा रहे हैं तो हमारी आराधना कैसे स्वीकार होगी। देवता की मां प्रताड़ित हो और देवता को प्रसन्न करने की हम बात करें तो स्वयं को धोखा देने जैसी बात है। भगवान राम को जन्म लेने की आवश्यकता नहीं थी वह एक चुटकी बजा देते तो रावण मर जाता, सीता माता का हरण नहीं होता लेकिन संपूर्ण समाज को यह ज्ञान देना था की गाय से बड़ा कुछ भी नहीं है गाय हमारे जीवन का आधार है, हमारे धर्म का आधार हैं , हमारी सांसे हैं हमारे लिए गाय का कितना महत्व है इन बातों को समझने की आवश्यकता है।

गो मास के निर्यात पर बोले शंकराचार्य

गौ मांस निर्यात पर बोलते हुए शंकराचार्य ने कहा कि जब कभी हम अपने धर्म की तरफ देखते हैं तो हमने कभी कल्पना नहीं की थी हमारे ऋषि मुनियों ने कभी ऐसी कल्पना नहीं की थी कि इस भरत भूमि भारत में गाय काटी जाएगी और उसको बेचा जाएगा, उन्होंने कहा कि यह कल्पना आज करिये भारत नरमुंडों का देश है यहां नेता सर गिनते हैं, कभी पैसों का प्रलोभन देते हैं, कभी प्रताड़ना देते हैं जब हम अपने एक वोट से सरकार चुनते हैं और चुनी हुई वह सरकार जब गौ हत्या के लिए लाइसेंस देती है, गाय के मांस को बेचती है, उसका निर्यात करती है उस समय सबसे ज्यादा अगर किसी को पाप लगता है तो वह उस जनता को लगता है जिसने अपने मन में धर्म को तो जीवित रखा लेकिन वह जानता नहीं की ऐसी पापी सरकारों को चुनने का पाप हमने किया है, उनको ताकतवर हमने बनाया है तब वह गौ माता की हत्या कर पा रहे हैं

जब मौजूद विज्ञान नहीं था तब वेद विज्ञान ही सृष्टि और समाज की शिक्षा के आधार थे:

इससे पूर्व ट्रस्ट अध्यक्ष व पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने शब्दों के माध्यम से शंकराचार्य का स्वागत व अभिनंदन करते हुए कहा कि इस स्थान पर हम वेद विद्यालय संचालित कर रहे हैं यूं तो हाडोती में दो-तीन वेद विद्यालय और संचालित हो रहे हैं परंतु यह हाडोती का एकमात्र ऐसा वेद विद्यालय है जहां चारों वेदों की शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि वेद केवल पूजा पाठ मंत्रोच्चार तक सीमित नहीं है दुनिया में आज जितना भी सांसारिक, आध्यात्मिक, भौतिक व नैतिक विकास है उसकी जननी वेद है और वेदों में जाकर हम झांकेंगे तो वेद में तमाम प्रकार की खगोलशास्त्र भौतिकी, रसायनशास्त्र से लेकर दुनिया भर की रिसर्च तक इस संसार में जब मौजूदा विज्ञान नहीं था तब वेद विज्ञान ही सृष्टि और समाज की शिक्षा के आधार थे। आज हमारी मूल शिक्षा विलुप्त होती जा रही है पर हमें प्रसन्नता है कि आप जैसे महान शख्सियत ईश्वर स्वरूप व्यक्ति इस अभियान में पूरे देश में जन जागरण के लिए निकले हैं।

सबसे पहले किया गो माता पूजन व नाहरसिंगी माता की आरती

जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने नाहर सिंगी माता मंदिर पहुंचते ही सबसे पहले गो पूजन कर नाहरसिंगी माता की आरती की।

वेद विद्यालयों के बटुकों ने किया संवाद

शंकराचार्य के प्रवचन के बाद वेद विद्यालय के बड़ी संख्या में उपस्थित बटुकों ने धर्म व वेद को लेकर विभिन्न प्रकार के प्रश्नों से के माध्यम से जगतगुरु शंकराचार्य से संवाद किया जिसका जगतगुरु ने विस्तार से वर्णन किया।

कार्यक्रम में बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा, पूर्व विधायक पूनम गोयल, बूंदी जिला अध्यक्ष महावीर मीणा, वेद विद्यालय समिति अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, डॉ निशिता दीक्षित, आचार्य दुर्गा प्रसाद शर्मा, आचार्य केशव शर्मा, आचार्य भागचंद शर्मा, श्री लाल गुंजल, रामरतन गुंजल, दयाल गुंजल, प्रेस क्लब अध्यक्ष गजेंद्र व्यास, बृजेश शर्मा नीटू, मनीष शर्मा, लोकेश गुंजल बुलबुल पंवार, मंदिर समिति सदस्यो व पूर्व पार्षदों सहित बड़ी संख्या उपस्थित लोगों ने शंकराचार्य से आशीर्वाद प्राप्त किया।

महिला सुरक्षा के प्रति जयपुर पुलिस का एक और कदम

हमारा समाचार

जयपुर। महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रविवार को पुलिस कमिश्नरेट जयपुर से पांच महिला पीसीआर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (पूर्व) श्रीमती रंजीता शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा उपस्थित रहीं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात एवं प्रशासन) श्री योगेश दाधीच ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन पीसीआर वैन का संचालन दो पारियों में किया जाएगा। पहली पारी प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक तथा दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक कार्यरत रहेगी। ये सभी वैन पुलिस नियंत्रण कक्ष के सुपरवीजन में संचालित होंगी और 1090 पर प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करेंगी। उन्होंने बताया कि ये महिला पीसीआर वैन भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, महिलाओं की अधिक आवाजाही वाले स्थानों, स्कूल-कॉलेजों और मॉल्स के आसपास नियमित गश्त करेंगी। साथ ही किसी भी स्थान से सूचना मिलने पर नियंत्रण कक्ष द्वारा निकटतम पीसीआर वैन को तुरंत मौके पर भेजा जाएगा, जिससे त्वरित सहायता सुनिश्चित हो सके।

राजस्थान में फैक्ट्रियां बंद, 1000 करोड़ के ऑर्डर अटके

हमारा समाचार

जालोर । अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने राजस्थान की औद्योगिक इकाइयों को नुकसान की ओर धकेल दिया है। रूस-यूक्रेन के बाद अब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने राजस्थान की औद्योगिक इकाइयों की कमर तोड़ कर रख दी है। रेड सी और हॉर्मुज स्ट्रेट में सप्लाई चेन बाधित होने से प्रदेश के मार्बल, ग्रेनाइट और टेक्सटाइल सेक्टर में हाहाकार मचा है। हालात यह हैं कि मुंद्रा पोर्ट पर कंटेनर डंप पड़े हैं और शिपिंग चार्ज 5 से लेकर 6 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। 2 लाख श्रमिकों के सामने अब रोटी का संकट खड़ा हो गया है। अकेले चित्तौड़गढ़ में मार्बल उत्पादन 50' घट गया है। 24 घंटे चलने वाली यूनिट्स 12 घंटे ही चल रही हैं। जालोर में 50' ग्रेनाइट इकाइयां बंद होकर उत्पादन 13 लाख से घटकर 4.55 लाख वर्ग फीट रह गया है। भीलवाड़ा में 800 से 1000 करोड़ रुपए के एक्सपोर्ट ऑर्डर अटके हैं। लागत 20-30' बढ़ गई है।

चित्तौड़गढ़- 24 घंटे चलने वाली मशीनें अब 12 घंटे पर आईं

मार्बल सिटी चित्तौड़गढ़ में अंतरराष्ट्रीय सप्लाई ठप होने से उत्पादन आधा रह गया है।

लागत का गणित बिगड़ा : क्रूड ऑयल महंगा होने से प्रोसेसिंग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल की कीमतें 50' तक बढ़ गई हैं।

यूनिट्स की हालत : जिले की 300 यूनिट्स में से इंपोर्ट-एक्सपोर्ट पर निर्भर फैक्ट्रियां बंदी के कगार पर हैं। आमदनी में 50' की भारी गिरावट दर्ज की गई है।केमिकल की कमी से प्रोसेसिंग प्रभावित है। एलपीजी की कमी के कारण मजदूर लौट रहे हैं और यूनिट्स अब 24 घंटे की बजाय 12 घंटे चल रही हैं।

व्यापारी बोले- एक्सपोर्ट में नुकसान, उत्पादन लागत बढ़ी

चित्तौड़गढ़ मार्बल लघु उद्योग के प्रांत उपाध्यक्ष ज्ञान मेहता के अनुसार, जिले में करीब 300 यूनिट्स हैं, जिनमें 35 इंपोर्ट और 5-7 एक्सपोर्ट से जुड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय सप्लाई पर निर्भर इन यूनिट्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। एक्सपोर्ट लगभग ठप हो गया है। इंपोर्ट यूनिट्स पहले हर महीने 7000 टन मार्बल और 500 टन ग्रेनाइट मंगवाकर रोज 42 हजार स्क्वायर फीट उत्पादन करती थीं, लेकिन अब सप्लाई घटने से यूनिट्स आधी क्षमता पर चल रही हैं और आमदनी में करीब 50' तक कमी आई है। करीब 265 यूनिट्स हर महीने 1.35 लाख टन रॉ मटेरियल प्रॉसेस कर रोज 6 लाख स्क्वायर फीट उत्पादन करती हैं, लेकिन ट्रांसपोर्ट महंगा और डिमांड घटने से काम प्रभावित हुआ है। अजोलिया का खेड़ा इकाई के अध्यक्ष राकेश चोपड़ा के अनुसार, एक्सपोर्ट में 15-20' तक नुकसान हो रहा है। कंटेनर अटके हैं और शिपिंग चार्ज बढ़ने से लागत बढ़ गई है। पद्मिनी मार्बल के श्याम भंडारी के अनुसार, ईरान, इराक, चीन और इटली से सप्लाई प्रभावित है। केमिकल की कीमतों में 30-50' बढ़ोतरी से उत्पादन लागत बढ़ गई है। आदिमाता मार्बल के रूपेश चौधरी ने बताया कि कंटेनर दरें, शिपिंग चार्ज और आयातित मटेरियल की लागत बढ़ गई है, जिससे पूरा उद्योग प्रभावित है।

14 अप्रैल से चलेगी ओखा-शकूरबस्ती साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन:1 जुलाई तक 12 ट्रिप में होगा संचालन

हमारा समाचार

दौसा। गर्मियों में बढ़ते यात्री भार को देखते हुए रेलवे ने ओखा-शकूरबस्ती साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन शुरू की है। संख्या 09523, 14 अप्रैल से 30 जून तक हर मंगलवार ओखा से चलेगी और जयपुर होते हुए शकूरबस्ती पहुंचेगी। वापसी में 09524, 15 अप्रैल से 1 जुलाई तक हर बुधवार शकूरबस्ती से रवाना होगी। इस ट्रेन में 16 कोच होंगे और जयपुर, दौसा व बांदीकुई सहित कई स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। ओखा से सुबह रवाना, जयपुर होते हुए शकूरबस्ती पहुंचेगी उत्तर पश्चिम रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 09523 ओखा-शकूरबस्ती सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 14 अप्रैल से 30 जून तक कुल 12 ट्रिप चलेगी। ट्रेन ओखा से हर मंगलवार सुबह 10.20 बजे रवाना होगी, बुधवार सुबह 04.10 बजे जयपुर पहुंचेगी और 04.20 बजे रवाना होकर 10.35 बजे शकूरबस्ती पहुंचेगी।

वापसी में बुधवार को चलेगी ट्रेन

गाड़ी संख्या 09524 शकूरबस्ती-ओखा सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 15 अप्रैल से 1 जुलाई तक कुल 12 ट्रिप संचालित होगी। यह ट्रेन हर बुधवार दोपहर 13.15 बजे शकूरबस्ती से रवाना होकर शाम 18.20 बजे जयपुर पहुंचेगी और 18.30 बजे रवाना होकर गुरुवार दोपहर 13.00 बजे ओखा पहुंचेगी।

दौसा और बांदीकुई सहित कई स्टेशनों पर ठहराव

यह ट्रेन द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, वांकानेर, सुरेन्द्रनगर, विरमगाम, महेसाना, ऊंझा, सिद्धपुर, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी।

16 कोच के साथ चलेगी स्पेशल ट्रेन

इस स्पेशल ट्रेन में कुल 16 कोच लगाए गए हैं। इनमें 1 सेकंड एसी, 2 थर्ड एसी, 1 थर्ड एसी इकॉनोमी, 6 स्लीपर, 4 जनरल, 1 पावरकार और 1 गार्ड डिब्बा शामिल है।

रामाज रिसोर्ट पैलेस में हुआ मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 का ब्यूटी प्रेजेंट ग्रैंड फिनाले

दीपिका चौधरी मिसेज और वेदिका जैन मिस विजेता बनी

हमारा समाचार

निवाई। राजस्थान के सबसे प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 - सीजन 1 का बहुप्रतीक्षित ग्रैंड फिनाले शनिवार देर शाम को निवाई से आगे की की जयपुर रोड स्थित रामाज़ रिज़ॉर्ट पैलेस में आयोजित किया गया। इसमें मिस विजेता वेदिका जैन और मिसेज विजेता दीपिका चौधरी रही। इनके विनर होने का एनाउंस होते ही दोनो खुशी से झूम उठी। इनके अलावा दोनों कैटेगरी में तीन तीन विजेताओं की भी घोषणा की गई। वे भी खुश नजर आई। रामाज रिजॉर्ट के मालिक मोहित टेलर ने बताया कि इस कार्यक्रम में जयपुर, कोटा, अजमेर,उदयपुर ,सीकर, लालसोट,दौसा आदि प्रदेश भर सभी मॉडल ने अपने सफल ऑडिशन किया और विशेष ग्रूमिंग सेशंस के बाद चयनित टॉप 51 फाइनलिस्ट्स ने इस प्रतिष्ठित खिताब के लिए मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया।

मिस विजेता टॉप थ्री ये रही:

वेदिका जैन प्रथम विजेता रही। इसी तरह वेदिका तेहलानी प्रथम रनर अप, अनुप्रिया मीना द्वितीय रनरअप, कुमकुम बैरवा तीसरी रनरअप रही।

मिसेज विजेता में ये रही टॉप थी:

मिसेज विजेता दीपिका चौधरी रही। वहीं दूसरे स्थान पर मोनिका ओझा , तीसरे स्थान पर ज्योति शर्मा रही।

महिलाओं को पहचान बनाने का अवसर:

आयोजन का संचालन चिराग चौधरी और राकेश चौधरी ने इस पेजेंट को राजस्थान के सबसे बड़े और प्रभावशाली मंचों में शामिल किया है उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करता है। इस ग्रैंड फिनाले में रैंप वॉक, टैलेंट राउंड और प्रश्न-उत्तर सत्र जैसे विभिन्न आकर्षक सेगमेंट शामिल हुए, जिनका मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित जूरी पैनल द्वारा किया गया।

प्रतिष्ठित लोगों के मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम:

इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंकित वर्मा (पार्षद) सीएनएक्स न्यूज़ के मोहित तिवारी, रामाज कुर्तीस रिसोर्ट पैलेस के महावीर कुमार टेलर, रामअवतार टेलर , रामाज रिसोर्ट पैलेस के मोहित टेलर एवं सोहित टेलर, ऋषभ अग्रवाल ,सहित अनेक प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे।

विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार:

विजेताओं को शिव ज्वेलर्स के द्वारा पावर्ड, अवांता एवं देसी बीट्स के द्वारा को-पावर्ड तथा ग्रैंड फिनाले वेन्यू पार्टनर के रुप में रामाज कुर्तीस, रिसोर्ट एवं पैलेस के रूप में सहयोग किया गया। उत्साह, ग्लैमर और कड़ी प्रतिस्पर्धा से भरपूर यह ग्रैंड फिनाले एक यादगार साबित हुआ। इस मौके पर सभी प्रतिभागियों की शानदार ग्रैंड फिनाले का समापन के अवसर पर विजेताओं को नकद पुरस्कार दिया गया।

सामूहिक विवाह समारोह के लिए 8वाँ युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर माली (सैनी) समाज विकास आदर्श संस्था के तत्वावधान में आगामी 25 अप्रैल को जानकी नवमी के शुभ अवसर पर सर्व समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस समारोह के लिए रविवार 12 अप्रैल को सोडाला के सुन्दर विहार स्थित नारायण गढ़ पैलेस में आठवां युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष रमेश सैनी ने बताया कि इसमें ब्राह्मण, बनिया, (गुप्ता), राजपुत, सिन्धी, पंजाबी, चौधरी, कोली, वर्मा, कुमावत, राणा, सैनी, धानका बैरवा, यादव, बलाई, महावर सहित अन्य सभी जातियों के युवक-युवती और उनके अभिभावक उपस्थित हुए। इसमें सभी युवक युवतियों ने बारी बारी से अपना परिचय दिया। इसमें अब तक लगभग 150 युवकों और लगभग 60 युवतियों के आवेदन आ चुके हैं। परिचय सम्मेलन दो चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण में पढ़े लिखे और द्वितीय चरण में कम पढे लिखे युवक व युवतियों के विवाह के लिए परिचय दिया गया। उन्होंने बताया कि आगामी 19 अप्रैल को युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। संस्था के कोषाध्यक्ष हरीश सैनी ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान बोर्ड परीक्षा में अव्वल अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। इसमें कक्षा 8वीं में ए और ए प्लस, 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक, 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न उपहार देकर सम्मानित किया गया। इनके साथ ही अध्यापकों और अभिभावकों को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित विद्यार्थियों को उपहार के रूप में चेयर व दीवार घड़ी और माता-पिता एवं गुरूजनों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मोहर लगी हुई 'एक पेड़ भारत माता के नाम' की फलदार पौधे देकर सम्मानित किया गया।

ढाणी बोराज में 13 विकास कार्यों का लोकार्पण

हमारा समाचार

बोराज। ढाणी बोराज ग्राम में रविवार को लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि जिला प्रमुख रमादेवी चौपड़ा थी। विशिष्ट अतिथि जोबनेर पंचायत समिति प्रधान शैतान सिंह मैहरडा, एमपीएस शिवजी राम जाखड़ , मोती राम चोपड़ा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच भैरुराम देगडा ने की। सरपंच भैरुराम देगडा,उपसरपंच नंदकिशोर वर्मा, पूर्व सरपंच मंजू देवी देगडा, लालाराम गौरा, गोपाल सैन सहित कई ग्रामीणों ने अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। मुख्य अतिथि जिला प्रमुख रमादेवी चौपड़ा, प्रधान शैतान सिंह मैहरडा ने फीता काटकर ढाणी बोराज ग्राम पंचायत क्षेत्र में करीब 80 लाख रुपए की लागत से कराए गए 13 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। जिला प्रमुख चोपड़ा ने कहा कि ढाणी बोराज गांव में विकास की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रधान शैतान सिंह मैहरडा ने कहा कि जनता को जागरूक रहकर ग्राम के विकास के लिए एकजुट रहना चाहिए।

भागवत कथा में श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह का सजीव मंचन

हमारा समाचार

बोराज। भागवत कथा सुनने वाले मनुष्य भाग्यशाली होते हैं। श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मानव में धर्म और संस्कृति की भावना जागृत होती है। जिससे मनुष्य का जीवन धन्य हो जाता है।ढाणी बोराज गांव के पारीक मौहल्ला में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में कथावाचक आचार्य अंजनी महाराज ने यह बात नहीं। महाराज ने कहा कि धर्म का मार्ग कांटों भरा होता है लेकिन जो धर्म के मार्ग पर चलता है उसका जीवन धन्य हो जाता है। भागवत कथा में श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह का मंचन किया गया।

कृष्ण की लीलाओं का सजीव चित्रण एवं वाचन किया गया। मुख्य यजमान समाजसेवी शिवजी राम पारीक है। बनवारी लाल पारीक, सीताराम पारीक ने बताया कि शाम सात बजे से रात्रि दस बजे तक चलने वाली संगीतमय मनमोहक भागवत कथा में श्रद्धालु भक्ति लाभ ले रहे हैं।

वीकेंड पर 'नाईन डॉट स्क्वायर्स' एग्जीबिशन में उमड़ी भीड

हमारा समाचार

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित तीन दिवसीय 'नाईन डॉट स्क्वायर्स' एग्जीबिशन के चौथे संस्करण के दूसरे दिन शनिवार को आर्ट, डिजाइन और डेकोर प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी। विजिटर्स ने हैंडक्राफ्टेड लक्ज़री फर्नीचर, इनोवेटिव वॉल और सर्फेस मटेरियल्स, फर्निशिंग्स और कलेक्टिबल आर्ट पीसेज में खास रुचि दिखाई। कई स्टॉल्स पर लोग डिजाइन की बारीकियों को समझते और नए ट्रेंड्स के बारे में जानकारी लेते नजर आए। एग्जीबिशन की फाउंडर व क्यूरेटर रितु खंडेलवाल ने बताया कि यह प्रदर्शनी 12 अप्रैल तक सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहेगी। फाउंडर प्रमोटर रमेश अग्रवाल के अनुसार 'लक्सफोम' और 'फ्लेक्सीक्लैड' जैसे सर्फेस मटेरियल्स विजिटर्स के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिनमें आधुनिक तकनीक और सौंदर्य का बेहतरीन संगम देखने को मिल रहा है। को-क्यूरेटर सगुना वाधवा ने बताया कि 'अनस्टक', 'रीवोवन' और 'गोल्डन फ्लो' जैसी वर्कशॉप्स ने प्रतिभागियों को रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति का नया मंच प्रदान किया। प्रतिभागियों ने विभिन्न तकनीकों के माध्यम से आकर्षक आर्टवर्क तैयार किए। फाउंडर प्रमोटर शालिनी अग्रवाल ने बताया कि 'लैजेंड्स इन फोकस' सीरीज के तहत कलाकार दुष्यंत सिंह नायला और यूनुस खिमानी के आर्टवर्क प्रदर्शित किए जा रहे हैं। एग्जीबिशन के अंतिम दिन 12 अप्रैल को 'पैबल आर्ट' और 'एल्कोहॉल इंक आर्ट' वर्कशॉप्स आयोजित होंगी।

गोटन में 21 से 23 अप्रैल तक श्री यादें माता मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

हमारा समाचार

गोटन। कस्बे में श्री यादें माता मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 21 अप्रैल से 23 अप्रैल तक धूमधाम से किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है और तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। महोत्सव के अध्यक्ष रामकिशोर प्रजापत ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ भव्य झांकियां निकाली जाएंगी, जिनमें कई कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन को लेकर आसपास के गांवों व कस्बों में निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हो सकें। मंदिर परिसर में विशेष सजावट की जा रही है और आयोजन समिति द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने का आह्वान किया है।

जयपुर में होगा जेडीए का 'सबसे बड़ा एक्शन'.. सिरसी रोड-वैशाली नगर में हटेंगे 800+ निर्माण!

- 200 फीट बाइपास से सिरसी मोड़ तक सड़क चौड़ीकरण, 60-80 फीट से बढ़ाकर 160 फीट करने की योजना
- अतिक्रमण चिन्हित और नोटिस जारी–15 अप्रैल से डिमार्केशन शुरू होने की संभावना, कार्रवाई के लिए जोन और प्रवर्तन टीमें गठित

सिरसी रोड से वैशाली नगर तक 4.5 किमी कॉरिडोर में 800 से अधिक निर्माण कार्रवाई की जद में, प्रारंभिक सर्वे में 300 निर्माण चिन्हित, विस्तृत जांच के बाद संख्या बढ़कर हुई 500

हमारा समाचार

जयपुर। राजधानी जयपुर में शहरी विकास और ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने की दिशा में अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई की तैयारी हो चुकी है। जयपुर विकास प्राधिकरण ने सिरसी रोड से वैशाली नगर तक फैले पूरे कॉरिडोर में बड़े पैमाने पर कार्रवाई का खाका तैयार किया है, जिसके तहत 800 से अधिक दुकानों, मकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य निर्माणों को हटाया जाना प्रस्तावित है। इस प्रस्तावित कार्रवाई से इलाके में व्यापक स्तर पर हलचल देखी जा रही है और प्रभावित लोगों में चिंता का माहौल है। मास्टर प्लान के तहत 200 फीट बाइपास से सिरसी मोड़ तक लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबे हिस्से को 160 फीट चौड़ा करने की योजना पर काम तेज कर दिया गया है। शुरुआत में इस दायरे में करीब 300 निर्माण चिन्हित किए गए थे, लेकिन विस्तृत सर्वे और पुनः आकलन के बाद यह संख्या बढ़कर 500 से अधिक हो गई है, खासकर वैशाली नगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में निर्माण कार्रवाई की जद में आए हैं। इस तरह पूरे कॉरिडोर में कुल प्रभावित निर्माणों की संख्या 800 से ज्यादा मानी जा रही है।

वर्तमान स्थिति में सिरसी रोड के कई हिस्सों में सडक़ की चौड़ाई 60 से 80 फीट तक सीमित है, जिसके कारण यहां लगातार ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या बनी रहती है। तेजी से विकसित हो रहे इस कॉरिडोर में बढ़ते आवागमन और व्यावसायिक गतिविधियों के चलते सडक़ चौड़ीकरण को अत्यंत आवश्यक माना जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए JDA ने मास्टर प्लान के अनुरूप सडक़ को 160 फीट तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है, जिसे शहर के भविष्य के यातायात प्रबंधन के लिहाज से अहम कदम माना जा रहा है। इस पूरे अभियान को गति न्यायालय के निर्देशों के बाद मिली है। हाईकोर्ट ने मास्टर प्लान के अनुरूप सडक़ चौड़ीकरण सुनिश्चित करने और तय समयसीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद JDA ने कार्रवाई की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। प्राधिकरण ने अतिक्रमणों की पहचान के लिए विस्तृत सर्वे पूरा कर लिया है और प्रभावित लोगों को नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। प्रशासनिक स्तर पर इस अभियान के लिए कई जोन और प्रवर्तन टीमें तैनात की गई हैं, जो चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई को अंजाम देंगी। 15 अप्रैल से डिमार्केशन की प्रक्रिया शुरू किए जाने की संभावना जताई जा रही है, जिसके बाद वास्तविक कार्रवाई तेज होगी। इस बार जेडीए ने सीधे बुलडोजर कार्रवाई के बजाय पहले संवाद की रणनीति अपनाई है। पिछले एक महीने से अधिकारी लगातार मौके पर पहुंचकर व्यापारियों और स्थानीय निवासियों से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए समझा रहे हैं। इसका असर भी देखने को मिला है, जहां कई लोगों ने संभावित नुकसान को कम करने के उद्देश्य से खुद ही अपने निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि, इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग अब भी असमंजस की स्थिति में हैं और कार्रवाई को लेकर चिंता बनी हुई है। सिरसी रोड और वैशाली नगर क्षेत्र जयपुर के तेजी से विकसित हो रहे प्रमुख रिहायशी और व्यावसायिक केंद्रों में शामिल हैं, जहां पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर निर्माण और बाजारों का विस्तार हुआ है। ऐसे में इस मेगा कार्रवाई का प्रभाव न केवल यातायात व्यवस्था पर पड़ेगा, बल्कि पूरे इलाके के शहरी स्वरूप में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

इससे पहले भी इस रोड पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा चुकी है, जिसमें 200 से अधिक निर्माण हटाए गए थे, लेकिन इस बार इसे व्यापक और अंतिम चरण की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। जेडीए का रुख इस मामले में पूरी तरह स्पष्ट है कि मास्टर प्लान के अनुरूप सडक़ चौड़ीकरण किसी भी स्थिति में किया जाएगा और सडक़ सीमा के भीतर आने वाले अवैध निर्माणों को हटाया जाएगा। ऐसे में आने वाले दिनों में यह कार्रवाई जयपुर के शहरी ढांचे और ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देने वाली साबित हो सकती है, हालांकि इसके साथ ही प्रभावित लोगों के सामने पुनर्व्यवस्था और आजीविका से जुड़े सवाल भी खड़े होंगे।

प्रारंभिक सर्वे में सामने आए थे 300 निर्माण, अब आंकड़ा 800 से अधिक हुआ

सिरसी रोड से वैशाली नगर तक प्रस्तावित सडक़ चौड़ीकरण के तहत बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक सर्वे में जहां करीब 300 दुकानों और निर्माणों की पहचान हुई थी, वहीं विस्तृत जांच के बाद यह संख्या बढ़कर 500 से अधिक हो गई है। दोनों क्षेत्रों को मिलाकर कुल प्रभावित निर्माणों की संख्या 800 से ज्यादा आंकी जा रही है। इनमें छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान, मकान, शोरूम, रिसोर्ट और मैरिज गार्डन शामिल हैं, जिससे यह कार्रवाई शहर की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। दरअसल, जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 200 फीट बाइपास से सिरसी मोड़ तक करीब 4.5 किलोमीटर लंबे हिस्से को 160 फीट चौड़ा करने की योजना पर काम किया जा रहा है। वर्तमान में कई स्थानों पर सडक़ की चौड़ाई केवल 60 से 80 फीट है, जिससे बढ़ते ट्रैफिक के कारण जाम और अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में मास्टर प्लान के अनुरूप सडक़ को विस्तारित करना शहर के यातायात प्रबंधन और भविष्य के शहरी विकास के लिए जरूरी कदम माना जा रहा है।

15 अप्रेल से शुरू होगी डिमार्केशन की प्रक्रिया, लोगों को जारी किए गए नोटिस

इस कार्रवाई को लेकर जयपुर विकास प्राधिकरण ने विस्तृत तैयारी कर ली है। अतिक्रमणों की पहचान के लिए सर्वे पूरा कर लिया गया है और प्रभावित लोगों को नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। कार्रवाई के लिए अलग-अलग जोन और प्रवर्तन टीमें गठित की गई हैं, जो चरणबद्ध तरीके से काम करेंगी। अधिकारियों के अनुसार, 15 अप्रैल से डिमार्केशन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसके बाद वास्तविक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज होने की संभावना है। इस पूरे अभियान को गति न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मिली है। हाईकोर्ट ने मास्टर प्लान के अनुरूप सडक़ चौड़ीकरण सुनिश्चित करने और तय समयसीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद जेडीए ने इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देते हुए तेजी से आगे बढ़ाया है और अब इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने की तैयारी है।

जेडीए अधिकारी मौके पर जाकर कर रहे समझाइश, टकराव टालने के प्रयास

इस बार प्राधिकरण ने सीधे बुलडोजर कार्रवाई के बजाय पहले संवाद का रास्ता अपनाया है। पिछले कुछ समय से अधिकारी लगातार मौके पर पहुंचकर व्यापारियों और स्थानीय निवासियों से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए समझा रहे हैं। इसका असर भी देखने को मिला है, जहां कई लोगों ने संभावित नुकसान को कम करने के लिए खुद ही अपने निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि, अभी भी बड़ी संख्या में लोग स्थिति को लेकर असमंजस में हैं। सिरसी रोड से वैशाली नगर तक प्रस्तावित इस बड़े पैमाने के अतिक्रमण हटाओ अभियान का असर सिर्फ निर्माणों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हजारों लोगों की रोज़मर्रा की जिंदगी और आजीविका पर भी सीधा प्रभाव डालेगा। इस कॉरिडोर में बड़ी संख्या में छोटे-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान, शोरूम, दुकानों की कतारें, रिसोर्ट और मैरिज गार्डन संचालित हो रहे हैं, जिनसे स्थानीय स्तर पर व्यापक रोजगार जुड़ा हुआ है। ऐसे में कार्रवाई के बाद कई व्यापारियों को अपने व्यवसाय के लिए नए स्थान तलाशने पड़ सकते हैं।

हाईकोर्ट ने कहा-दिव्यांगता जांच के लिए बार-बार नहीं बुला सकते:पुनर्मूल्यांकन के बाद फिर से बुलाना गलत

हमारा समाचार

जयपुर। दिव्यांग आरक्षण में फर्जी सर्टिफिकेट से नौकरी हासिल करने वालों की एसओजी जांच के बीच हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि एक बार विभागीय निर्देश पर दिव्यांगता का पुनर्मूल्यांकन हो जाने के बाद किसी व्यक्ति को बार-बार जांच के लिए बुलाना उचित नहीं है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह टिप्पणी कुलदीप चौधरी की याचिका को निस्तारित करते हुए की। अदालत ने अपने आदेश में साफ कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPWD)-2016 के तहत सरकार का कर्तव्य है कि

वह कानून का दुरुपयोग रोके। लेकिन अगर किसी व्यक्ति की विकलांगता का आकलन विभाग के निर्देश पर किया जाता है तो उसे बार-बार पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होने को नहीं कहा जा सकता। सरकार को जांच के दौरान निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए।

सरकार ने कहा- पुनर्मूल्यांकन से नहीं रोक सकते

याचिकाकर्ता कुलदीप चौधरी के वकील मिर्जा फैसल बेग ने कोर्ट को बताया कि उनके क्लाइंट को 'लो विजन' कैटेगरी में 60' विकलांगता का प्रमाण-पत्र मिला था। विभागीय मेडिकल बोर्ड ने पुनर्मूल्यांकन कर इसे 40' से ज्यादा ही माना। लेकिन अब एक बार फिर से किसी शिकायत पर एसओजी ने उसे नोटिस जारी करके पुर्नमूल्यांकन के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। वहीं सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य को याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई विकलांगता का दोबारा आकलन करने का पूरा अधिकार है। विभागीय अधिकार को किसी भी तरह प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता।

45 लाख के गहने बैग में भरकर ले गए चोर :ज्वेलरी शॉप का चेनल गेट तोड़कर अंदर घुस

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर में एक ज्वेलरी की दुकान में रविवार तड़के चोरी हो गई। चोरों ने दुकान का चैनल गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया और 18 किलो चांदी और 7 ग्राम सोने के गहने कपड़े के बैग में भरकर ले गए, जिनकी कीमत करीब 45 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज भी सामने आया है, जिसमें 2 आरोपी दुकान में घुसते, बैग निकालते और फिर सोने-चांदी के गहने भरकर फरार होते दिख रहे हैं। सदर थाना पुलिस दुकान में लगे CCTV फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

दुकान का पिछला गेट टूटा हुआ था

ACP (सदर) धर्मवीर सिंह ने

बताया- चांदपोल बाजार के रहने वाले बलराम सोनी (46) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनकी खासाकोठी पुलिया के पास विनायक ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। शनिवार रात रोज की तरह वह दुकान बंद करके अपने घर चले गए थे। देर रात बदमाशों ने चोरी के इरादे से दुकान को निशाना बनाया। बदमाश दुकान के पीछे लगे चैनल गेट को तोड़कर अंदर घुसे। वे दुकान में रखी तिजोरी को तोड़ने में असफल रहे, लेकिन काउंटर और शोकेस में रखे करीब 18 किलोग्राम चांदी के और करीब 7 ग्राम सोने के गहने चोरी कर ले गए। रविवार सुबह दुकान का पिछला गेट टूटा होने पर चोरी का पता चला। सदर थाना पुलिस ने सूचना पर पहुंचकर मौके से सबूत जुटाए।

CCTV फुटेज में कैद मिली करतूत

धर्मवीर सिंह ने बताया कि दुकान के अंदर लगे CCTV फुटेज में चोरों की करतूत कैद हो गई है। रात 2 बजे से तड़के 3:30 बजे के बीच दो चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। दोनों बदमाश दुकान का पिछला चैनल गेट तोड़कर अंदर घुसे।

चोर दुकान में रखे चांदी के गहनों को कपड़े के एक बैग में भरकर ले गए। CCTV फुटेज के आधार पर दोनों बदमाशों की तलाश की जा रही है। डीएसटी और स्पेशल टीम फुटेज के आधार पर दोनों चोरों की पहचान करने में लगी है। जल्द ही दोनों को पकड़ लिया जाएगा।

गहलोत बोले-रिफाइनरी पर बोलने का अधिकार केवल वसुंधरा राजे को:जिन्हें ABCD मालूम नहीं

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर रिफाइनरी को लेकर पिछली कांग्रेस सरकार पर हमलावर बीजेपी नेताओं पर पलटवार करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जिन्हें रिफाइनरी की ए बी सी डी पता नहीं है, उनको बैठा-बैठाकर रिफाइनरी की प्रेस कांफ्रेंस करवा रहे हैं। जिनको रिफाइनरी क्या होती है, पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स क्या होता है, इसके फायदे क्या हैं? इसके बारे में पता नहीं है। वो भाषण ठोके जा रहे हैं। मुझ पर अटैक कर रहे हैं। आज के समय में एक मात्र वसुंधरा राजे हैं, जो रिफाइनरी पर हमारे कमेंट पर बोलने का अधिकार रखती हैं। केवल राजे को पता है कि हमने कोई गलती की है या नहीं। एग्रीमेंट में क्या कमी रही या नहीं रही। यह केवल वो ही क्लियर कर

सकती थीं। गहलोत ने आज अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए यह सब बातें कहीं।

चार साल तक रिफाइनरी का काम क्यों बद रखा

गहलोत ने कहा कि आज यह रिफाइनरी के उद्घाटन पर पीएम को बुला रहे हैं। लेकिन मैं तो इनसे सवाल पूछता हूं कि आपने चार साल तक इसका काम बंद क्यों रखा। फिर आपने देखा कि कहीं चुनाव न हार जाएं। तब आपने प्रधानमंत्री को बुलाया और कार्य प्रारंभ करने के नाम पर उनका प्रोग्राम रखा, जबकि शिलान्यास हो चुका था। हमारे समय में सोनिया गांधी और तत्कालीन मंत्री वीरप्पा मोइली आए थे। इतना बड़ा प्रोजेक्ट था, आज सात साल देरी से शुरू हो रहा है। 37 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट 80 हजार करोड़ तक पहुंच गया। फर्क तो पड़ता है, पैसा तो पब्लिक का ही है। जो रिफाइनरी को यह सेटबैक लगा है, इसका दोष किसका है।

भजनलाल नाम की किसानी करते होंगे

सीएम भजनलाल शर्मा पर तंज कसते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अब क्या-क्या बोलूं मैं मुख्यमंत्री के बारे में। वो 20 दिन काम करके किसान बन सकते हैं। किसान तो थे ही ये। अब मुख्यमंत्री बने हैं तो अनुभव काम में लें। मुझे तो लगता है कि ये केवल नाम की किसानी करते होंगे और खुद 15-20 दिन मुश्किल से जाते होंगे। वही अनुभव इनका काम आ रहा है। अब बोल रहे हैं कि किसान लोग सभी 15-20 दिन ही काम करते हैं। अरे, किसान खून-पसीना बहाता है, लगातार महीनों तक मेहनत करता है, तब जाकर फसल आती है। फिर ओलावृष्टि हो जाती है, कोई बीमारी लग जाती है, फसल खराब हो जाती है।

लग्जरी लाइफ के लिए बना चोर:जयपुर पुलिस ने 7 केसों में वांटेड अपराधी को दबोचा

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर पुलिस ने लग्जरी लाइफ जीने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले रेकी कर अपने गैंग के साथ मिलकर चोरी करता था और लंबे समय से 7 मामलों में वांटेड चल रहा था। पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाके में सक्रिय चोरी गैंग का बड़ा खुलासा हुआ है। विनोद शर्मा उर्फ विनोद पण्डा (39) निवासी बसवा दौसा अब तक चोरी की 20 वारदातों को अंजाम दे चुका है। रामनगरिया थाना पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चुराए गहने भी बरामद किए है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चोरी के 7 मामलों में चल रहा था वांटेड

डीसीपी (ईस्ट) रंजिता शर्मा ने बताया कि चोरी के मामले में वांटेड चल रहे बदमाश विनोद शर्मा को शनिवार रात को दबिश देकर अरेस्ट किया गया है। रामनगरिया इलाके में चोरी के 7 केस में वह पिछले काफी समय से वांटेड चल रहा था।

ठिकाने बदल-बदलकर फरारी काट रहा था आरोपी

पुलिस ने पूर्व में कार्रवाई करते हुए उसके गिरोह के बदमाश बबलेश मीना उर्फ बबलू, दीपचन्द उर्फ दीपक और प्रदीक कुमार को अरेस्ट किया था। पुलिस से बचने के लिए बदमाश विनोद शर्मा उर्फ विनोद पाण्डा ठिकाने बदल-बदलकर फरारी काट रहा था।

दौसा से पकड़ा, गहने भी बरामद

रामनगरिया थाने की स्पेशल टीम के मेंबर कॉन्स्टेबल राहुल और शिवपाल ने शनिवार रात दबिश देकर वांटेड बदमाश विनोद को दौसा से पकड़ा है। जिसके कब्जे से सूने मकान का लॉक तोड़कर चुराए लाखों रुपए कीमत के गहने बरामद किए गए है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विनोद लग्जरी लाइफ और मौज-मस्ती के शौक को पूरा करने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम देता था। उसके खिलाफ अब तक कुल 20 केस चोरी/नकबजनी के दर्ज है।

जयपुर मे साड़ी पहनकर दौड़ी महिलाएं, :5 किलोमीटर तक लगाई दौड़

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर में 'मरुधरा रन इन साड़ी'-सीजन 2 का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया, जिसमें महिलाओं ने साड़ी पहनकर दौड़ लगाते हुए परंपरा और फिटनेस का शानदार संगम प्रस्तुत किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर आत्मविश्वास, ऊर्जा और सांस्कृतिक गौरव का परिचय दिया। कार्यक्रम का फ्लैग ऑफ रिद्धि सिद्धि मंडल अध्यक्ष दीपा नाथावत और ट्विंकल पुरोहित द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुनील गौड़, महामंत्री महेंद्र बागड़ी, मंत्री पुष्पेंद्र राजावत, आलोक शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। इस विशेष रन में 3 किमी फन रन और 5 किमी रन की श्रेणियां रखी गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। साड़ी जैसे पारंपरिक परिधान में दौड़ते हुए महिलाओं ने यह संदेश दिया कि फिटनेस और भारतीय संस्कृति एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। आयोजन के दौरान हर आयु वर्ग की महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली, जिससे पूरा माहौल सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह से सराबोर हो गया। प्रतिभागियों का जोश और आत्मविश्वास इस आयोजन की खास पहचान रहा। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया और जुम्बा डांस के साथ आयोजन का समापन हुआ। आयोजन समिति और कल्पतरु शिक्षा समिति के सदस्य पंकज जांगिड़ सहित सभी सदस्यों ने भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों के जरिए महिलाओं को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

जयपुर में प्रेग्नेंट महिला से छेड़छाड़

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर में प्रेग्नेंट महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। छेड़छाड़ के लिए पीछा कर रहे बदमाश ने सुनसान गली में महिला को पकड़ लिया। विरोध कर शोर मचाने पर तेजी से भाग निकला। छेड़छाड़ का वीडियो जवाहर सर्किल इलाके का होना सामने आया है। वीडियो के संबंध में सूचना को गंभीरता से लेते हुए राजस्थान पुलिस मुख्यालय की ओर से तत्काल संज्ञान लिया गया है। आमजन की भावनाओं का सम्मान करते हुए बिना देरी के कार्रवाई करते हुए रविवार दोपहर जवाहर सर्किल थाने में पुलिस ने FIR दर्ज की। नई आपराधिक कानूनों की धाराओं के तहत जाचं और अग्रीम कार्रवाई की जा रही है। पिछले दिनों आमेर में विदेशी युवती से अभ्रदता, ऑटो ड्राइवर के विदेशी ट्यूरिस्ट से गलत व्यवहार, इस्कॉन रोड पर बाइक सवार युवती से छेड़छाड़ की वारदात लगातार होना सामने आई है। इसके बाद सरेराह प्रेग्नेंट महिला से छेड़छाड़ का वीडियो शनिवार को सामने आया है। वीडियो में एक बदमाश मोबाइल पर बात करते जा रही महिला का पीछा करता है। काफी दूरी से पीछा करने के बाद सुनसान गली में मौका पाकर पीछे से पकड़ महिला से छेड़छाड़ करता है। विरोध कर शोर मचाने पर बदमाश उल्टे पांव वापस भाग जाता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रामनिवास मंडोलिया के लिए डी.बी. कॉर्प लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, शिवदासपुरा टोंक रोड, जयपुर राज. से मुद्रित एवं 84 मंडोलियों की ढ़ाणी जोबनेर रोड़ कालवाड़ जयपुर, (राज.) से प्रकाशित, संपादक रामनिवास मंडोलिया मो.- 9461162346, सिटी कार्यालय: 42, कोस्मो कॉलोनी, विनायक रजीडेन्सी, वैशाली नगर, जयपुर।